राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

क्रांति समय
SUREST MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार, २८अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -९४ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## कोरोना के चलते भारत में दिल दहलाने वाले हालात, लाशों से भर गए हैं श्मशान

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस के चलते भारत में हालात बदतर हो चुके हैं। हर दिन हजारों लोग जान गंवा रहे हैं। इस बीच भारत में कोरोना महामारी से बिगड़ते हालातों पर (विश्व स्वास्थ्य संगठन) WHO ने चिंता जताई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अदहानोम गेब्रेयेसस ने भारत में कोरोना वायरस के हाल में तेजी से बढ़ते मामलों को 'दिल दहलाने वाला' बताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कई ऑक्सीजन मशीनों समेत भारत में अहम सामग्री की आपूर्ति की है। ग्रेबेयेसस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह महामारी वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि संकट से निपटने में भारत की मदद के लिए डब्ल्यूएचओ ने 2,000 से अधिक कर्मी तैनात किए हैं और वह टीकाकरण समेत विभिन्न प्रयासों में प्राधिकारियों की मदद कर रहा है। ग्रेबेयेसस ने कहा कि भारत में इस समय हालात दिल दहलाने वाले हैं। बीते कुछ दिनों में वहां कोरोना के मरीज तेजी से बढ़े हैं। मरीजों के परिजन अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। हालात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राजधानी दिल्ली में एक हफ्ते का लॉकडाउन लगाना पड़ा। टेड्रोस ने कहा कि भारत कोविड-19 की भयानक लहर के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है। अस्पताल मरीजों से भर गए हैं। श्मशान घाट पर लाशों की कतार लगी है। ये स्थिति हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि भारत में पोलियो और ट्यूबरक्लोसिस (TB) के खिलाफ काम कर रहे 2600 एक्सपर्ट को कोरोना के खिलाफ काम पर लगा दिया गया है। WHO हर तरह से मदद करने की कोशिश कर रहा है। यूनाइटेड नेशन (UN) की हेल्थ एजेंसी भारत को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और अस्पतालों के लिए जरूरी समान की सप्लाई कर रहा है।

# कोरोना संकट के बीच मदद का भरोसा देकर चीन कर रहा खेल?

## मेडिकल सप्लाई लेकर भारत आने वाले कार्गो विमानों पर लगाई रोक

**बीजिंग।** कोरोना के कारण जहां एक तरफ भारत में संकट की स्थिति पैदा होने पर चीन ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया था तो वहीं दूसरी तरफ उसने यह हाथ खींच भी लिया है। दरअसल, चीन की सरकारी सिचुआन एअरलाइंस ने भारत के लिए अपनी सभी कार्गो (मालवाहक) उड़ानों को अगले 15 दिन तक के लिए स्थगित कर दिया है। इससे निजी कारोबारियों को बीजिंग से अति-आवश्यक ऑक्सीजन कॉन्सनट्रेटर और अन्य मेडिकल सप्लाई मिलने में बड़ी बाधा पैदा हो गई है। कंपनी ने यह कदम चीन सरकार की ओर से कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर भारत को सहायता की पेशकश किए जाने के बावजूद उठाया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने सिचुआन एअरलाइंस द्वारा भारत जाने वाली कार्गो उड़ानों को स्थगित करने संबंधी सवालों के जवाब में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'भारत में महामारी की स्थिति पर चीन करीब से नजर रख रहा है। गंभीर होती स्थिति को लेकर हमारी सहानुभूति भारत के साथ है। हम कह चुके हैं कि हम वायरस के खिलाफ लड़ाई में प्रथम उपलब्ध अवसर में भारत की मदद करने को तैयार हैं। दोनों पक्ष इस संबंध में चर्चा कर रहे हैं।'

**भारत भेजे जाने वाले सामान के दाम बढ़ाए**-कार्गो उड़ानों के स्थगन से एजेंट और सामान भेजने वाले हतप्रभ हैं जो चीन से ऑक्सीजन सांद्रक खरीदने का प्रयास कर रहे हैं।यह भी शिकायत आ रही है कि चीनी उत्पादकों ने ऑक्सीजन संबंधी उपकरणों की कीमत में 35 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी है। माल ढुलाई के शुल्क में भी करीब 20 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। चीनी विनिर्माताओं की तरफ से भारत भेजी जाने वाली चिकित्सा आपूर्ति के दाम बढ़ाए जाने से जुड़े सवाल पर वांग ने कहा, चीन से भारत चिकित्सा आपूर्ति खरीदने को तैयार है, मैं इसे समझता हूं, यह एक व्यावसायिक गतिविधि है। वांग ने भारत के लिए कार्गो उड़ान स्थगित करने के सिचुआन एअरलाइंस के निर्णय पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सिचुआन एअरलाइंस का हिस्सा सिचुआन चुआनहांग लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन लिमिटेड के विपणन एजेंट द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि विमानन कंपनी शियान-दिल्ली सहित छह मार्गों पर अपनी कार्गो सेवा स्थगित कर रही है। समाचार एजेंसी 'पीटीआई- भाषा ने इस संबंध में कंपनी की ओर से जारी पत्र को देखा है। इसके मुताबिक कपंनी ने कहा, 'महामारी की स्थिति (भारत) में अचानक हुए बदलाव के मद्देनजर और बाहर से आने वाले संक्रमण के मामलों में कमी लाने के उद्देश्य से यह फैसला किया गया है। इसलिए अगले 15 दिनों के लिए उड़ानों को स्थगित करने का फैसला किया गया है। चिट्ठी में कहा गया है, 'भारतीय मार्ग हमेशा से ही सिचुआन एअरलाइंस का मुख्य रणनीतिक मार्ग रहा है। इस स्थगन से हमारी कंपनी को भारी नुकसान होगा। हम इस अपरिवर्तित परिस्थिति के लिए माफी मांगते हैं।' चिट्ठी के मुताबिक कंपनी अगले 15 दिनों में फैसले की समीक्षा करेगी।

**ऑक्सीजन खरीदने में होगी दिक्कत**-शंघाई में माल भेजने की कंपनी साइनो ग्लोबल लॉजिस्टिक के सिद्धार्थ सिन्हा ने बताया कि सिचुआन एअरलाइंस के फैसले से दोनों देशों के कारोबारियों द्वारा तेजी से ऑक्सीजन कॉन्सनट्रेटर खरीदने और भारत को भेजने में बाधा पैदा होगी। उन्होंने कहा कि अब इन उपकरणों को भेजना और चुनौतीपूर्ण होगा, उन्हें सिंगापुर और अन्य देशों के रास्ते विभिन्न विमानन कंपनियों द्वारा भेजना होगा जिससे अति-आवश्यक इन उपकरणों की आपूर्ति में देरी होगी।

## हवाई यात्रा के लिए डॉक्टरों, नर्सो को कोविड जांच से छूट

### कोर्ट ने कहा- वो तो युद्ध लड़ रहे हैं

**नई दिल्ली।** हवाई यात्रा के दौरान डॉक्टरों, नर्सों और अधिकारियों को कोरोना की निगेटिव आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट से छूट दिए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर उच्च न्यायालय ने सोमवार को सुनवाई से इनकार कर दिया।

न्यायालय ने कहा है कि कोरोना संक्रमण से निपटना, युद्ध लड़ने जैसा है। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि ऐसे में डॉक्टरों, नर्सों और अधिकारियों को हवाई यात्रा के दौरान कोरोना संक्रमण की आरटी-पीसीआर जांच की निगेटिव रिपोर्ट साथ लाने की जरूरत नहीं है। पीठ ने इस तरह की याचिका दाखिल करने पर याचिकाकर्ता को आड़े हाथ लिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि आपको (याचिकाकर्ता) यह पता होना चाहिए कि कोरोना संक्रमण की भयावह होती स्थिति के मद्देनजर हालात युद्ध लड़ने जैसी हो गई है। पीठ ने कहा कि डॉक्टरों को रात भर बुलाना होगा, महामारी की स्थिति को देखिए, इससे निपटने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है।

## भारत में कोरोना के उत्पात के बीच यूके से पहुंची मदद, भेजे गए 100 वेंटिलेटर

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस से भारत में तबाही मची हुई है। आए दिन अस्पतालों में बढ़ते मरीजों ने चिंता पैदा कर दी है। वहीं ऑक्सीजन के कारण मरीजों की मौत हो रही है।

ऐसे में कई देश भारत की मदद को आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में यूके से 100 वेंटिलेटर और 95 ऑक्सीजन कन्संट्रेटर्स सहित महत्वपूर्ण चिकित्सा सप्लाई आज सुबह भारत पहुंची है। विदेश मंत्रालय ने ये जानकारी दी है। इधर फ्रांस, अमेरिका और जर्मनी सहित कई अन्य देशों ने भी भारत की मदद करने की घोषणा की है। वहीं कुछ देशों से तो मदद का सामान भारत के हवाईअड्डों पर उतरने भी लगा है।

ऐसे में कई देश भारत की मदद को आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में यूके से 100 वेंटिलेटर और 95 ऑक्सीजन कन्संट्रेटर्स सहित महत्वपूर्ण चिकित्सा सप्लाई आज सुबह भारत पहुंची है। विदेश मंत्रालय ने ये जानकारी दी है। इधर फ्रांस, अमेरिका और जर्मनी सहित कई अन्य देशों ने भी भारत की मदद करने की घोषणा की है। वहीं कुछ देशों से तो मदद का सामान भारत के हवाईअड्डों पर उतरने भी लगा है।

**लिक्विड ऑक्सीजन भेजेगा फ्रांस**-हाल ही में कोरोना के खिलाफ जंग में भारत की मदद के लिए फ्रांस ने घोषणा की है कि वह भारत को आठ उच्च क्षमता वाले ऑक्सीजन जनरेटर, पांच दिनों के लिए 2000 रोगियों के लिए लिक्विड ऑक्सीजन, साथ ही 28 वेंटिलेटर और आईसीयू के लिए उपकरण प्रदान करेगा। फ्रांसीसी राजदूत इमैनुअल लेनिन ने ट्वीट किया अगले कुछ दिनों में, फ्रांस भारत को न केवल तत्काल राहत देगा, बल्कि लॉन्ग टर्म कैपेसिटी भी देगा -इसमें 8 उच्च क्षमता वाले ऑक्सीजन जनरेटर, प्रत्येक में 250 बेड के लिए वार्षिक ऑक्सीजन, 5 दिनों के लिए 2000 रोगियों के लिए लिक्विड ऑक्सीजन, 28 वेंटिलेटर और आईसीयू के लिए उपकरण होंगे।

## दिल्ली से बिहार के लिए चलेंगी सात समर स्पेशल ट्रेन

**मुरादाबाद।** बिहार के लिए बढ़ी यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर भारतीय रेलवे सात समर स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। दिल्ली से बिहार के लिए चलने वाली स्पेशल ट्रेनें एक फेरे की होगी। 27 व 28 अप्रैल को चलने वाली ट्रेनें मुरादाबाद, लखनऊ होकर जाएंगी। रेल प्रवक्ता के अनुसार 27 अप्रैल को मुजफ्फरपुर के लिए स्पेशल ट्रेन (04474) दिल्ली से रात 11.00 बजे रवाना होगी। ट्रेन मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ बाराबंकी, गोंडा होकर मुजफ्फरपुर जाएंगी। इसी तरह 28 अप्रैल को दिल्ली से सहरसा के लिए समर स्पेशल ट्रेन (04478) भी रात 11 बजे चलेगी। ट्रेन का भी यही रुट रहेगा। हालांकि 27 अप्रैल को दिल्ली से (04476) भागलपुर जानें वाली ट्रेन मुरादाबाद मंडल से न जाकर कानपुर होते हुए दीनदयाल उपाध्याय, पटना होकर निकलेगी। इसके अलावा नई दिल्ली से (04480) ट्रेन रात 11.55 बजे चलकर जयनगर जाएंगी। नई दिल्ली से सीतामढ़ी (04482) के लिए 29 अप्रैल और 30 अप्रैल को नई दिल्ली से दरभंगा (04484) और कटिहार (04486) के लिए स्पेशल ट्रेनें रवाना होगी।

इसी तरह 28 अप्रैल को दिल्ली से सहरसा के लिए समर स्पेशल ट्रेन (04478) भी रात 11 बजे चलेगी। ट्रेन का भी यही रुट रहेगा।

## सुप्रीम कोर्ट की नई इमारत में बनेगा कोविड केयर सेंटर, चीफ जस्टिस ने दी मंजूरी

**नई दिल्ली।** कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के भीषण प्रकोप को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में न केवल अस्थाई कोविड केयर सेंटर खोलने बल्कि गर्मी की छुट्टी को समय से पहले शुरू करने का भी निर्णय लिया गया है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के उस प्रस्ताव को मंजूर करने का सोमवार को निर्णय लिया जिसमें न्यायालय की नई इमारत में वकीलों के खाली पड़े चैंबर ब्लाक को

अस्थाई तौर पर कोविड केयर सेंटर में तब्दील करने की मंजूरी मांगी गई थी।

नई इमारत में तीन हॉल हैं, जो फिलहाल खाली पड़े हैं। एक हाल में 20 बेड तक लग सकते हैं। इस हिसाब से शीर्ष अदालत की नई इमारत में कम से कम 60 बेड लगाए जा सकेंगे। इतना ही नहीं मुख्य न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत की गर्मी की छुट्टियां एक सप्ताह पहले यानी आठ मई से करने पर भी सैद्धांतिक सहमति देते हुए विचार करने की बात कही है। एससीबीए के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कल दोनों ही प्रस्ताव न्यायमूर्ति रमन के समक्ष रखे थे।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में कोरोना वायरस के नए मामलों से हाहाकार मचा हुआ है। स्थिति ऐसी हो गई है कि सारे अस्पताल फुल हो चुके हैं और मरीजों को जगह नहीं मिल रही है। मरीज ज्यादा सामने आने की वजह से दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। अस्पताल में बेड नहीं होने की वजह से मरीजों के बाहर इंतजार करना पड़ रहा है, जिसकी वजह से कई मरीजों की मौत भी हो चुकी है। इन्ही सब मुश्किलों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपनी नई इमारत में अस्थाई तौर पर कोविड केयर सेंटर बनाने को मंजूरी दी है।

# नई स्टडी में खुलासा ! कोरोना से बचाएगा रायनोवायरस

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने देश में हाहाकार मचा रखी है। इसे काबू में करने की तमाम कोशिशें नाकाफी साबित हो रही हैं। ऐसे में एक नए शोध ने उम्मीद की नई किरण जगाई है। दरअसल, वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि सामान्य सर्दी जुकाम के जिम्मेदार रायनोवायरस शरीर में प्रवेश कर कोरोना को मात देने में सक्षम है। इस वायरस की मदद से कोविड-19 के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह शोध विज्ञान पत्रिका जर्नल ऑफ इन्फेक्शस डिजीज में प्रकाशित हुआ है।

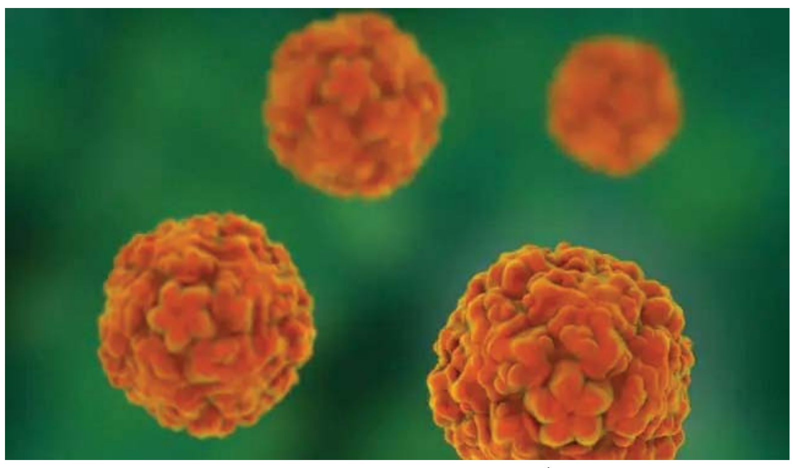

**रायनोवायरस कोरोना को बढ़ने नहीं देता**-ग्लोसगो में सेंटर फॉर वायरस रिसर्च की टीम ने इस पर शोध किया। इस दौरान एक कोशिकाओं समेत एक ढांचा तैयार किया गया, जो इंसान के श्वासन तंत्र की तर्ज पर काम करता है। इसमें सर्दी-जुकाम के लिए जिम्मेदार रायनोवायरस और कोरोना वायरस दोनों को एक ही समय पर छोड़ा गया। प्रयोग के दौरान दिखा कि ढांचे पर रायनोवायरस का कब्जा हो गया, जबकि कोरोना वायरस से वो लगभग अप्रभावित रहा।

**ऐसे प्रभाव जमाता है**

रोयनोवायरस भी इंसानों या दूसरे पशुओं की तर्ज पर ही काम करते हैं। जैसे हम अपनी जगह बनाने के लिए आपस में लड़ते हैं और खुद को साबित करते हैं, उसी तरह से वायरस भी होस्ट शरीर में प्रवेश के लिए लड़ते हैं और वही वायरस जीतता है, जो दूसरे वायरस को खत्म कर दे। सर्दी-जुकाम के लिए जिम्मेदार रायनोवायरस भी इसी तर्ज पर काम करता है।

**रायनोवायरस क्या है?**

आमतौर पर इसे आरवी (आरवी) भी कहते हैं। ये सामान्य सर्दी-जुकाम का सबसे कॉमन कारण है। इससे ऊपरी श्वासन तंत्र पर असर होता है। रायनोवायरस का प्रकोप अमूमन सर्दी और बसंत के मौसम में दिखता है, लेकिन ये सालभर भी हो सकता है।

**3दरअसल, वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि सामान्य सर्दी जुकाम के जिम्मेदार रायनोवायर3स शरीर में प्रवेश कर कोरोना को मात देने में सक्षम है। इस वायरस की मदद से कोविड-19 के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह शोध विज्ञान पत्रिका जर्नल ऑफ इन्फेक्वशस डिजीज में प्रकाशित हुआ है।**

**दवा की जरूरत नहीं पड़ती**

रायनोवायरस के साथ अच्छी बात ये है कि वायरस के कारण पैदा होने वाली तकलीफें जैसे सर्दी, नाक बहना, हल्का बुखार या थकान हमारे शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता से अपने अपने आप एक हफ्ते में ठीक हो जाते हैं। हालांकि 25 फीसदी मामलों में ये दो हफ्ते तक भी रह सकता है। इस वायरस के लिए कोई एंटी वायरस दवा नहीं है और आमतौर पर इसकी जरूरत भी नहीं होती है।

**पहले भी हो चुका है प्रयोग**

दरअसल, साल 2009 में जब यूरोपियन देश स्वाइन फ्लू से बुरी तरह कराह रहे थे, तब रायनोवायरस या सामान्य सर्दी-जुकाम का भी मौसम था। ऐसे में जिन लोगों को सर्दी-जुकाम हुआ, वे स्वाइन फ्लू से सुरक्षित रहे। इसके बाद हुए एक शोध में यह भी निष्कर्ष निकाला गया कि कोरोना वायरस उसी के शरीर में सक्रिय होता है, जिसके भीतर रायनोवायरस न हो।

संपादकीय

## वैश्वीकरण का लाभ

कहते हैं कि यदि आपने जरूरत के वक्त निस्वार्थ भाव से किसी की मदद की है, तो वह एक न एक दिन लौट कर जरूर आती है। कोविड की दूसरी लहर के भयावह आघात से जूझ रहे भारत के लिए सुकून की बात है कि हमारे विदेश मंत्री की एक अपील पर दुनिया भर के देश भारत की मदद के लिए खड़े हो गए हैं। मदद के लिए आगे आने वाले देशों की लंबी कतार में आज हमारे छोटे से पड़ोसी देश भूटान से लेकर चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यूरोपीय कमीशन, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका जैसे देश खड़े हो गए हैं। हमने अमेरिका का नाम अंत में लिया, जबकि वह हमारे सबसे बड़े व्यापार साझीदारों में एक है और हम यह मानते रहे हैं कि अमेरिका हमारा सबसे बड़ा सहयोगी देश है। पिछली सदी के अंतिम दशक से अब तक भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते निरंतर प्रगाढ़तर हुए हैं। दोनों देशों में सरकारें चाहे जिस भी पार्टी की हों, द्विपक्षीय मामलों में उन्होंने लगातार आगे की ओर ही देखा है। वास्तव में यह विश्व के दो सबसे बड़े और परिपक्व लोकतंत्रों की सहज स्वाभाविक मैत्री-यात्रा थी, लेकिन गत जनवरी में अमेरिका में आई नई सरकार ने इस यात्रा में कुछ ब्रेक जैसा लगा दिया। पिछले वर्ष जब कोविड ने दुनिया के तमाम देशों को झुलसाना शुरू किया और उसकी लपेट में सबसे ज्यादा अमेरिका आया, तब भारत ने सच्चे मित्र धर्म का पालन करते हुए उसे हाइड्रोक्लोरोक्विन जैसी दवा की आपूर्ति की थी। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत का आभार प्रकट किया था और सार्वजनिक रूप से उस दवा की तारीफ की थी। उस दवा का सेवन सिर्फ ट्रंप ने नहीं, अमेरिकी जनता ने भी किया था। इसलिए इस बार भारत को उम्मीद थी कि जब संकट हमारे ऊपर आया है, तो अमेरिका बिना कहे आगे आएगा और मदद करेगा। पहले उसने 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति पर चलने का तर्क दिया और बाद में हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर की वैश्विक अपील पर भी गोलमोल-सा जवाब ही दिया, लेकिन जब रविवार की रात हमारे सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से वार्ता की, तब अमेरिका की आंखें खुलीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को कहना पड़ा, 'जिस तरह महामारी की शुरुआत में भारत ने अमेरिका की मदद की थी, उसी तरह जरूरत की इस घड़ी में हम भारत की मदद करने को लेकर दृढ़-संकल्प हैं।' यह हृदय-परिवर्तन इसलिए हुआ कि भारत की एक अपील पर दुनिया भर के देश हमारी मदद के लिए आगे आ गए और अमेरिका की खिंचाई होने लग गई। वह अलग-थलग पड़ने लगा। यही भारत की ताकत है। 135 करोड़ भारतीयों की ताकत। आज अमेरिका भारत को कोविशील्ड वैक्सीन के उत्पादन हेतु कच्चा माल देने को तत्पर है। अनेक चिकित्सकीय साजो-सामान देने के साथ ही ऑक्सीजन निर्माण में भी सहयोग करेगा। साथ ही, विशेषज्ञों की एक टीम का भी गठन किया जा रहा है, जो जरूरी मदद करेगी। कई देश मदद को आगे आए हैं। यहां तक कि पाकिस्तान में भी भारत की मदद की जोरदार अपीलें हो रही हैं। एक-दो दिन में ही सहायता देश में पहुंच जाएगी और लगता है, तब तक हम स्वयं भी संभल जाएंगे। वैश्वीकरण के इस दौर में हम इसी तरह मिल-जुल कर इन भीमकाय चुनौतियों से दो-चार हो सकते हैं।

## आज के ट्वीट

### पालना

**मैं बहुत चिंतित हूं कि प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदेश सरकार केन्द्र सरकार के साथ दवाइयों और ऑक्सीजन की सप्लाई के लिए लगातार संपर्क में है। जब तक कोविड प्रोटोकॉल की पालना सही तरीके से नहीं होगी संक्रमण की चैन नहीं टूट सकती है। -- मु. अशोक गहलोत**

# संकट के समय सतही सियासत

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने कोरोना से अधिक प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वर्चुअल संवाद किया था। पिछले एक वर्ष के दौरान ऐसी अनेक वर्चुअल बैठकें हुई। इनका सजीव प्रसारण भी होता रहा है। लेकिन इसबार बैठक को गोपनीय रखने का निर्णय किया गया था। इसका कारण था कि सभी मुख्यमंत्री अपने-अपने प्रदेशों की वास्तविक स्थिति व आवश्यकताओं को खुलकर बता सकें। इस दूसरी लहर का संकट अभूतपूर्व है। यह ध्यान रखा गया कि आमजन तक नकारात्मक या मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला सन्देश न जाये। अरविंद केजरीवाल के अलावा अन्य सभी मुख्यमंत्रियों ने इस मर्यादा का ध्यान रखा। लेकिन केजरीवाल के इसे अपनी राजनीति का अवसर माना। वह इस अवसर को हाथ से छोड़ना नहीं चाहते थे। इसलिए उन्होंने सुनियोजित ढंग से अपनी बात की वीडियो सार्वजनिक कर दिया। उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं था कि केंद्र सरकार कितनी सहायता दे रही है। उन्हें तो केवल यह बताना था कि वह दिल्ली के लोगों के लिए बहुत परेशान हैं। ऑक्सीजन आपूर्ति और बेड बढ़ाने की केंद्र से मांग कर रहे हैं। केजरीवाल का इंतजाम पक्का था। कुछ निजी चैनल उनके इस बयान का सजीव प्रसारण कर रहे थे। अरविंद केजरीवाल अनाड़ी नहीं हैं। वह जानते थे कि गोपनीयता भंग करना गलत है। ऐसा करके उन्होंने अपनी विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह लगा लिया। बात उठी तो माफी मांग ली। लेकिन तब तक वह अपनी राजनीति खेल चुके थे। संकट काल में ऐसी राजनीति निन्दनीय ही कही जाएगी। सच्चाई सामने आ ही गई। अरविंद केजरीवाल वर्चुअल बैठक का वीडियो दिखाकर यह बताना चाह रहे थे कि वह ऑक्सीजन देने की केंद्र से गुहार लगा रहे हैं। वह कह रहे थे कि दिल्ली सरकार के पास ऑक्सीजन प्लांट नहीं है तो क्या उसे ऑक्सीजन नहीं मिलेगी। इस तरह उन्होंने पूरा ठीकरा केंद्र पर फोड़ दिया। यह मान लिया कि उनका राजनीतिक खेल सफल रहा। केजरीवाल ने दिखावे के लिए माफी मांग ली। लेकिन उनके भक्त केंद्र पर हमला बोल रहे थे। उनका कहना था कि फ्री बिजली-पानी दे दिया, क्या अब ऑक्सीजन भी दोगे। इस तरह संकट के इस दौर में भी केजरीवाल अपना प्रचार करा रहे थे। लेकिन शीघ्र ही केजरीवाल की हकीकत सामने आ गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन के बयान से केजरीवाल की सच्चाई सामने आ गई। केजरीवाल वर्चुअल मीटिंग की वीडियो में कह रहे थे कि क्या दिल्ली को ऑक्सीजन नहीं मिलेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने तथ्यों के आधार पर बताया कि दिल्ली को उनकी मांग व कोटे से अधिक ऑक्सीजन दिया गया है। इसके उचित ढंग से इस्तेमाल की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार पर है। लेकिन दिल्ली सरकार ऐसा करने में विफल हुई है। अस्पतालों से लगातार ऑक्सीजन खत्म होने की खबर आती रही। इसके दृष्टिगत डॉ. हर्षवर्धन का बयान महत्वपूर्ण है। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा है कि दिल्ली सरकार ने जितनी मांग की थी, उससे अधिक ऑक्सीजन का कोटा उन्हें दिया गया है। अब यह उन पर है कि वे इसका किस तरह निर्धारण करते हैं। सरदार पटेल कोविड केयर सेंटर एंड हॉस्पिटल का दौरा करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा, भारत में ऑक्सीजन के उत्पादन के हिसाब से हर राज्य को उसके कोटे के हिसाब से ऑक्सीजन दिया गया है। यहां तक कि दिल्ली को उसके मांगे गए कोटे से अधिक ऑक्सीजन दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने इसके लिए कल प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया था। अब व्यवस्थित तरीके से कोटा बांटने पर राजधानी की सरकार को प्लान बनाना चाहिए। केंद्र सरकार ने दिल्ली को यह भरोसा दिलाया है कि ऑक्सीजन के परिवहन में कहीं कोई रुकावट नहीं आएगी। अगर कोई बाधा डालता है तो उसके ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री समेत कई लोगों ने ऑक्सीजन केंटेनर को नहीं पहुंचने देने का आरोप लगाया था। केंद्र सरकार बिना भेदभाव के राज्यों की सहायता कर रही है। केंद्र इस पर राजनीति नहीं करना चाहती। अरविंद केजरीवाल केवल राजनीति ही करना चाहते हैं इसलिए केंद्र की सहायता के विषय पर गोपनीयता रखी। केंद्र पर हमला बोलने के बयान को सार्वजनिक कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा करने पर आपत्ति जाहिर की थी। अरविंद केजरीवाल ने जानबूझकर अपना बयान सार्वजनिक किया था। वह प्रधानमंत्री से प्रश्न कर रहे थे कि दिल्ली में ऑक्सीजन की भारी कमी है। अगर यहां ऑक्सीजन पैदा करने वाला प्लांट नहीं है तो क्या दिल्ली के लोगों को ऑक्सीजन नहीं मिलेगी। कृपया सुझाव दें कि सेंट्रल गवर्नमेंट में मुझे किससे बात करनी चाहिए। जब दिल्ली के लिए ऑक्सीजन टैंकर को दूसरे राज्य में रोका जाता है। मतलब केंद्र दोषी, दिल्ली के आसपास की सभी सरकारें दोषी, केवल केजरीवाल ही महान हैं। केजरीवाल का ज्ञान यहीं तक सीमित नहीं था। केंद्र सरकार जो कर रही थी,उसके भी वह सुझाव देने लगे। जिससे पता चले कि उनकी सलाह पर केंद्र सरकार चल रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील करते हुए कहा कि ऑक्सीजन की कमी काफी ज्यादा है, सरकार को देश के ऑक्सीजन प्लांट को कंट्रोल में लेकर सेना को सौंप देना चाहिए ताकि सभी राज्यों को ऑक्सीजन तुरंत मिल पाए। मुख्यमंत्री ने अपील की है कि हवाई मार्ग से भी ऑक्सीजन मिलनी चाहिए, जबकि ऑक्सीजन एक्सप्रेस की सुविधा दिल्ली में भी शुरू होनी चाहिए। देश में वैक्सीन सभी को एक ही दाम पर मिलनी चाहिए, केंद्र राज्य को अलग-अलग दाम में वैक्सीन नहीं मिलनी चाहिए। इसके पहले भी दिल्ली के मुख्यमंत्री पड़ोसी राज्यों के द्वारा ऑक्सीजन की सप्लाई रोकने का आरोप लगा चुके हैं। योगी आदित्यनाथ ने भी केजरीवाल की इस राजनीति को निंदनीय बताया। कहा कि अरविंद केजरीवाल का एक और कारनामा सामने आया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में चल रही उच्चस्तरीय बैठक, जिसमें देश के कई वरिष्ठ मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्रीगण भी मौजूद थे,उस बैठक की गोपनीयता को भंग कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास इन्होंने किया। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार अपनी नाकामयाबियों को छिपाने के लिए दूसरों पर निराधार आरोप-प्रत्यारोप लगाकर जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। राजनीति का यह अभद्र और घटिया आचरण है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## ज्ञान गंगा

### मेकअप

आचार्य रजनीश ओशो/ श्रृंगार कुरूप लोगों की खोज है। ऐसा नहीं है कि श्रंगार कुरूप है, लेकिन श्रंगार अपने में कुरूप खोज है। कुरूप व्यक्ति स्वाभाविक रूप से सुंदर व्यक्ति की तुलना में हीनता का अनुभव करता है--ईर्ष्यालु, प्रतिस्पर्धात्मक। कुरूप व्यक्ति इसकी पूर्ति कृत्रिम ढंग से करने का प्रयत्न करता है। स्वाभाविक सुंदर व्यक्ति को किसी चीज की पूर्ति नहीं करनी होती, लेकिन स्वाभाविक रूप से सुंदर व्यक्ति बहुत कम हैं, इसलिए श्रंगार लगभग सामान्य घटना बन गई है। हजारों वर्षो से आदमी हर संभव तरीकों से उसे छिपाने की कोशिश करता रहा है, जो उसके अंदर कुरूप है--शरीर में, मस्तिष्क में, या आत्मा में। यहां तक कि वे व्यक्ति भी जो स्वाभाविक रु प से सुंदर हैं, उन व्यक्तियों का अनुकरण करना शुरू कर देते हैं, जो कुरूप और कृत्रिम होते हैं। केवल इस कारण से, क्योंकि कृत्रिमता धोखा देने में सक्षम होती है। उदाहरण के लिए, स्तन स्वाभाविक रूप से इतने सुंदर नहीं होते जितने दिखाई दिए जा सकते हैं। यहां तक कि कोई स्त्री जिसके स्तन स्वाभाविक रूप से सुंदर हों, वह भी यह सोचना शुरू कर देती है कि वह स्त्री जिसके स्तन स्वाभाविक सुंदर नहीं है अथवा वह कम से कम ऐसा मान लेती है तो भी ऐसा दिखावा करती है जैसे वे बहुत ही सुंदर हो। इस तरह से स्वाभाविक सुंदरता भी अनुकरण करना शुरू कर लेती है। श्रंगार, और श्रंगार का विचार मूल-रूप से पाखंड है। प्रत्येक को स्वयं के स्वाभाविक रूप को प्रेम और स्वीकार करना चाहिए.. केवल शारीरिक स्तर पर ही नहीं क्योंकि यही से यात्रा प्रारम्भ होती है। और अगर तुम यहां पर गलत हो, तब क्यों नहीं तुम इसी तरह से मस्तिष्क के संबंध में मान ले सकते? तब स्वयं को संत (ज्ञानी) मान लेने में क्या बुराई है, ज्ञानी, जो कि तुम नहीं हो? तब भी तर्क वही रहेगा। और कभी-कभी ऐसा भी होता है कि नकल असल को हरा देती है, क्योंकि नकल अभ्यास कर सकती है, दोहराई जा सकती है, व्यवस्थित की जा सकती है और उसमें बहुत तरीकों से कुशलता लाई जा सकती है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वह सब, जो प्राकृतिक नहीं है, वह बुरा है। प्रकृति में भी सुधार लाया जा सकता है, इसी के लिए ही प्रतिभा का होना है, पर यह प्रकृति के विरुद्ध नहीं होना चाहिए। उदाहरण के लिए, ओंठों को अच्छे भोजन, अच्छे व्यायाम और अच्छी दवाइयों से भी लाल किया जा सकता है। यह भी प्रकृति में किया गया सुधार है, लेकिन प्रकृति में, प्राकृतिक तौर पर किया गया सुधार है।

# खुद ही खींचनी होगी हमें लक्ष्मण रेखा

अनूप भटनागर

संविधान में प्रदत्त बोलने की आजादी के अधिकार का दुरुपयोग लंबे समय से चर्चा का विषय बना हुआ है। इसकी गंभीरता का अनुमान पिछले सप्ताह ही प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुये न्यायमूर्ति एसए बोबडे के इस कथन से भी लगाया जा सकता है कि मौजूदा वक्त में बोलने की आजादी के अधिकार का सबसे ज्यादा दुरुपयोग हो रहा है। न्यायमूर्ति बोबडे के कथन का सार यही था कि इसमें सोशल मीडिया बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है। एक ओर सोशल मीडिया पर न्यायपालिका और न्यायाधीशों तथा न्यायालय की व्यवस्थाओं पर टीका-टिप्पणी करते हुये सारी मर्यादायें लांघी जा रही हैं तो दूसरी ओर हमारे राजनीतिक दलों के नेतागण भी बोलने के अधिकार का दुरुपयोग करने में पीछे नहीं हैं। पूर्व प्रधान न्यायाधीश का विचार है कि सोशल मीडिया के भी प्रिंट मीडिया की तरह की मानक होने चाहिए। प्रिंट मीडिया की तरह ही सोशल मीडिया पर भी न्यायाधीशों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां नहीं की जा सकती। सूचना क्रांति के दौर में लोग फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म पर न्यायपालिका और न्यायाधीशों के बारे में तरह-तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी हो रही है, जो काफी आहत करने वाली है। न्यायिक आदेश और फैसलों के साथ ही संबंधित न्यायाधीशों के बारे में सोशल मीडिया पर अमर्यादित भाषा की भरमार देखी जा सकती है। यह सही है कि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) में नागरिकों को बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार प्राप्त है लेकिन यह अधिकार निर्बाध नहीं है। इस अधिकार को आवश्यकता पर संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत नियंत्रित किया जा सकता है। न्यायपालिका ने कभी भी अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाने की हिमायत नहीं की लेकिन पूर्व प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे के कथन से पता चलता है कि संविधान में प्रदत्त इस अधिकार के लगातार हो रहे दुरुपयोग से न्यायपालिका कितनी चिंतित है। इस संदर्भ में हाल ही कोरोना वायरस महामारी के दौरान आक्सीजन और अस्पतालों में बिस्तरों के संकट को लेकर विभिन्न उच्च न्यायालयों में मामले लंबित होने के बीच ही शीर्ष अदालत द्वारा इसका स्वत- संज्ञान लेकर केन्द्र से जवाब मांगे जाने पर चुनींदा वरिष्ठ अधिवक्ताओं की तीखी टिप्पणियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सवाल है कि अगर विधिवेत्ता भी न्यायालय के आदेशों को पढ़े बगैर या वस्तुस्थिति की जानकारी के बगैर अपनी धारणा के आधार पर न्यायपालिका की भूमिका पर सार्वजनिक टिप्पणियां करने लगें तो बोलने के अधिकार के दुरुपयोग पर अंकुश कैसे लगाया जा सकता है। पूर्व प्रधान न्यायाधीश के कथन के बीच ही प्रेस और अभिव्यक्ति की आजादी की समर्थक संस्था एडिटर्स गिल्ड के एक पूर्व अध्यक्ष आलोक मेहता ने संविधान में प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी के कुछ अधिकारों में अस्थाई रूप से कटौती करने का सुझाव देकर सबको चौंका दिया। न्यायपालिका किसी भी स्थिति में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों में किसी प्रकार की कटौती के विचार से असहमति व्यक्त करती रही है और असहमति को लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा बताया है। हां, न्यायपालिका बराबर संविधान में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति के अधिकार के इस्तेमाल पर संयम बरतने और लक्ष्मण रेखा नहीं लांघने की सलाह देती रही लेकिन यहां तो स्वतंत्र प्रेस रक्षक की भूमिका निभाने वाले ही बोलने और अभिव्यक्ति के अधिकार में कटौती का सुझाव दे रहे हैं। दरअसल, लंबे समय तक सोशल मीडिया पर इस्तेमाल होने वाली अमर्यादित और असंयमित भाषा को नजरअंदाज किया जाता रहा, इसलिए सभी यह सोचने लगे की सोशल मीडिया पर स्वच्छंद होकर अमर्यादित और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करो। परंतु, न्यायालय ने जब सोशल मीडिया पर होने वाली टीका-टिप्पणियों के लिये पूर्व न्यायाधीशों, विधिवेत्ताओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों और सामाजिक सरोकार की दुहाई देने वालों को आड़े हाथ लेना शुरू किया तो ऐसा लगा कि अब सोशल मीडिया पर भी बोलने की आजादी के दुरुपयोग को रोकने के प्रयास शुरू होंगे। अक्सर देखा जा सकता है कि चुनाव सभाओं और टेलीविजन पर होने वाली परिचर्चाओं के साथ सोशल मीडिया पर भी इसका दुरुपयोग होता है। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि इससे पहले कि संविधान में प्रदत्त हमारे बोलने और अभिव्यक्ति के अधिकार पर कोई डाका डालने का प्रयास करे, हमें खुद ही इस ओर गंभीरता से प्रयास करने शुरू कर देने चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी हालत में ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाये तो दूसरों के लिए अपमानजनक या अमर्यादित हो।

# आज का राशिफल

**मेष** व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**वृषभ** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

**मिथुन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

**कर्क** आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**सिंह** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**कन्या** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**तुला** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

**वृश्चिक** आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**धनु** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

**मकर** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

**कुम्भ** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

## कोरोना संकट : भारत की मदद के लिए गूगल, माइक्रोसॉफ्ट के बाद एप्पल ने भी बढ़ाया कदम

**सैन फ्रांसिस्को।** तकनीकी दिग्गज गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल भी कोरोनावायरस के प्रकोप से जूझ रहे भारत की मदद के लिए आगे आई है। एप्पल कंपनी के सीईओ टिम कुक ने कहा है कि वो इस कठिन परिस्थिति में भारत की मदद करेंगे और भारत की मदद के लिए रिलीफ फंड जारी करेंगे। एप्पल सीईओ टिम कुक ने कहा है कि भारत में कोविड मामलों की विनाशकारी वृद्धि के बीच उनकी कंपनी मेडिकल वर्कर्स के साथ है और एप्पल परिवार हर उस टीम और लोग के साथ है, जो इस महामारी के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं और लोगों की मदद करने के लिए एप्पल रिलीफ फंड जारी करेगा। भारत में कोरोनावायरस की दूसरी लहर अपने चरम पर है और इन दिनों यह कहर बरपा रही है। फिछले कुछ हफ्तों में भारत में जानलेवा वायरस की वजह से हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। संकट के इस समय में दुनिया के अलग अलग हिस्सों से भारत को मदद मिल रही है। इससे पहले गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने भी इस संकट की घड़ी में भारत की मदद करने की घोषणा की थी। सुंदर पिचाई ने कहा है कि भारत में कोविड-19 के बिगड़ते हालात को देखते हुए गूगल और गूगलर्स गिवइंडिया यूनिसेफ को मेडिकल सप्लाई के लिए 135 करोड़ रुपये का फंड देंगे, ताकी बीमारी के गंभीर मरीजों की जान बचाई जा सके और लोगों की मदद हो। दूसरी ओर नडेला ने कहा है कि उनकी कंपनी अपने संसाधनों को जुटाकर देश की मदद करेगी। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने एक ट्वीट करते हुए कहा है कि भारत की स्थिति देख कर मेरा दिल टूट रहा है। मैं भारत की मदद करने के लिए अमेरिकी की सरकार का शुक्रगुजार हूं। माइक्रोसॉफ्ट भारत की इस नाजुक स्थिति में हर तरह से मदद के लिए तैयार है। भारत को राहत पहुंचाने के लिए ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेशन्स मशीनों की खरीद के लिए हम अपने संसाधनों से यथा संभव मदद करेंगे। भारत अब तक महामारी में अपने सबसे कठिन क्षण से गुजर रहा है। यहां रोजाना कोविड-19 मामलों में रिकॉर्ड उछाल देखा जा रहा है। अधिकतर शहरों के अस्पतालों में वेंटिलेटर बेड से लेकर ऑक्सीजन और जरूरी दवाओं की भारी कमी है। रोगियों की बढ़ती संख्या से निपटने के लिए भारत को तत्काल ऑक्सीजन आपूर्ति की आवश्यकता है।

## तिरुप्पुर के किड्स वीयर और इनर वीयर की विदेशी बाजारों में मांग बढ़ी

**चेन्नई।** उद्योग के एक अधिकारी ने कहा कि तमिलनाडु के तिरुप्पुर में कपड़ा निर्यात करने वाली इकाइयों में इनरवियर, किड वीयर,और लॉन्ग वीयर की मांग विदेशी बाजारों में बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी और यूरोपीय बाजार खुल गए हैं और तिरुप्पुर निर्यात इकाइयां अच्छी तरह से काम कर रही हैं और घरेलू बाजार में भी सुधार हुआ है। तिरुपति एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (टीईए) के कार्यकारी सचिव एस सैथिवेल ने आईएएनएस को बताया, कोविड 19 के कारण दुनिया भर में लोग अपने घरों में अधिक समय बिताते हैं, इनरवियर और किड्स वीयर के ऑर्डर बढ़ गए हैं। इसी तरह लॉन्ग वीयर की भी मांग बढ़ गई है जबकि मास्क , व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई),और फैशन परिधानों के ऑर्डर कम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यार्न और अन्य इनपुट्स की कीमतें बढ़ गई हैं, लेकिन इकाइयां अपने खरीदारों को ये कीमतें पास नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने कहा, कि हालांकि तमिलनाडु में निर्यात इकाइयों को रविवार लॉकडाउन से छूट दी गई है, लेकिन तिरुप्पुर में परिधान इकाइयों को संचालित करने की अनुमति नहीं है, क्योंकि यह शहर में सामान्य रूप से वायरस को रोकने के उद्देश्य से है। प्रवासी कामगारों के घर वापस जाने के मुद्दे पर, सकथिवेल ने कहा कि ऐसे श्रमिकों की संख्या बहुत कम है।

# सैमसंग ने कोरिया में दुनिया का पहला पीएस-एलटीई नेटवर्क स्थापित किया

**सोल (एजेंसी)।**

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने सोमवार को कोरिया में अग्रणी मोबाइल ऑपरेटर्स के सहयोग से दुनिया के पहले 3जीपीपी सक्षम राष्ट्रीय सार्वजनिक सुरक्षा एलटीई (पीएस-एलटीई) नेटवर्क को शुरू करने की घोषणा की। 700 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम में संचालित होने वाला यह पीएस-एलटीई नेटवर्क त्वरित प्रतिक्रिया देने वालों जैसे पुलिस, अग्निशमन, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं और सेना सहित 330 से अधिक सार्वजनिक सुरक्षा संगठनों और एजेंसियों को तेज एवं भरोसेमंद कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में कोरिया बिजनेस, नेटवर्क बिजनेस के उपाध्यक्ष और प्रमुख सेइगिल किम ने एक बयान में कहा कि सैमसंग कोरिया में 3जीपीपी मानकों के आधार पर दुनिया के पहले राष्ट्रव्यापी पीएस-एलटीई नेटवर्क का निर्माण करने को लेकर गर्व महसूस कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वसनीयता के मामले में कई संस्थानों के बीच वास्तविक समय के संचार के लिए एक विश्वसनीय नेटवर्क महत्वपूर्ण है। किम ने कहा कि हम विश्वसनीयता, प्रदर्शन और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को पूरा करते हुए कोरिया के पीएस-एलटीई नेटवर्क को उन्नत पीएस-एलटीई सॉल्यूशंस प्रदान करना जारी रखेंगे। सैमसंग को एंड-टू-एंड पीएस-एलटीई समाधान के प्रदाता के रूप में चुना गया है, जो बुनियादी ढांचे से लेकर उपकरणों तक, 2018 में पीएस-एलटीई नेटवर्क बिल्डआउट का समर्थन करने और मार्च 2021 में तैनाती को पूरा करने में सहायक रहा है। पिछले साल, सैमसंग ने क्लाउड प्लेटफॉर्म पर दुनिया के पहले मिशन-क्रिटिकल पुश-टू-एक्स (एमसीपीटीएक्स) वीडियो कॉल का प्रदर्शन किया। कंपनी 5जी पर एमसीपीटीएक्स के मानकीकरण का भी नेतृत्व कर रही है।

सैमसंग ने चिपसेट, रेडियो और कोर सहित 5जी एंड-टू-एंड सॉल्यूशंस की सफल डिलीवरी का बीड़ा उठाया है।

## दिल्ली सर्राफाः सोने में मामूली तेजी, चांदी 255 रुपए मजबूत

**नई दिल्लीः** स्थानीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 69 रुपए की मामूली तेजी के साथ 46,906 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोने का भाव 46,837 रुपए प्रति 10 ग्राम रहा था। चांदी का भाव भी इस दौरान 255 रुपए की तेजी के साथ 67,890 रुपए प्रति किलो हो गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में यह 67,635 रुपए पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव मामूली घटकर 1,778 डालर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी का भाव 26.15 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रहा। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज, कॉमेक्स में मंगलवार को सोने का भाव मामूली गिरावट के साथ 1,778 डॉलर प्रति औंस था। डॉलर इंडेक्स के मजबूत होने से सोने में मामूली गिरावट देखने को मिली।'' उन्होंने कहा कि व्यापारियों और निवेशकों को अमेरिकी एमओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक का इंतजार है जिससे बहुमूल्य धातुओं में मिला जुला कारोबार देखने को मिल सकता है।

## मारुति सुजुकी का एकीकृत शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 6 प्रतिशत घटकर 1,241 करोड़ रुपये रहा

**नयी दिल्ली (एजेंसी)**

कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में 6.14 प्रतिशत घटकर 1,241.1 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के निदेशक मंडल ने 2020-21 के लिये प्रति शेयर 45 रुपये लाभांश देने की सिफारिश की है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 1,322.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। हालांकि कंपनी की बिक्री आय आलोच्य तिमाही में 33.58 प्रतिशत बढ़कर 22,959.8 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2019-20 की चौथी तिमाही में 17,187.3 करोड़ रुपये थी। कंपनी के वाहनों की बिक्री चौथी तिमाही में 27.8 प्रतिशत बढ़कर 4,92,235 इकाई रही। मारुति सुजुकी के वाहनों की घरेलू बिक्री 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में 26.7 प्रतिशत बढ़कर 4,56,707 इकाई रही। वहीं निर्यात 35,528 इकाई रहा। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 22.69 प्रतिशत घटकर 4,389.1 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले 2019-20 में यह 5,677.6 करोड़ रुपये था। कंपनी की बिक्री आय आलोच्य वित्त वर्ष में 66,571.8 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2019-20 में 71,704.8 करोड़ रुपये थी। मारुति सुजुकी ने कहा कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिये 45 रुपये प्रति शेयर (5 रुपये के अंकित मूल्य के शेयर पर) लाभांश देने की सिफारिश की है।

# बाजार में दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 558 अंक उछला; आरआईएल, बैंक शेयर चमके

**मुंबई (एजेंसी).**

शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 558 अंक उछलकर बंद हुआ। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आयी। कोविड-19 संकट को तवज्जो नहीं देते हुए तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक बढ़त के साथ खुला और कारोबार के दौरान इसमें तेजी आयी। अंत में यह 557.63 अंक यानी 1.15 प्रतिशत मजबूत होकर 48,944.14 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 168.05 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,653.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में एल एंड टी रहा। इसमें 3.33 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल में भी तेजी रही। दूसरी तरफ मारुति सुजुकी में सर्वाधिक 1.24 प्रतिशत की गिरावट रही। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 6.14 प्रतिशत घटकर 1,241.1 करोड़ रुपये रहने की खबर से कंपनी का शेयर नीचे आया। इसके अलावा, एनटीपीसी, कोटक बैंक, नेस्ले इंडिया, डा. रेड्डीज और एक्सिस बैंक में भी 0.54 प्रतिशत तक की गिरावट रही। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य बाजार रणनीतिकार आनंद जेम्स ने कहा कि अमेरिकी बाजार में तेजी का असर घरेलू बाजार पर पड़ा है। एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक से पहले ट्रेजरी बांड पर प्रतिफल में गिरावट से निवेशकों को जोखिम लेने में मदद मिल रही है। बैंकों में निवेशकों की रूचि बनी रही और दोपहर बाद एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आयी। हालांकि, धातु कंपनियों के शेयर ज्यादा चमके और इनमें 2.5 प्रतिशत से अधिक की तेजी आयी।

उन्होंने कहा कि हालांकि, अप्रैल महीने के वायदा एवं विकल्प खंड में सौदे के इस सप्ताह पूरा होने को देखते हुए निवेशकों को थोड़ा सतर्क रुख अपनाने की जरूरत है। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीतिक प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''हमारे विचार से वायदा एवं विकल्प खंड में अनुबंधों को पूरा करने के लिये शाट कवरिंग के कारण भी इस सप्ताह बाजार में तेजी आ रही है। मारुति और एचडीएफसी लाइफ की अगुवाई में मार्च तिमाही का परिणाम उम्मीद से कम रहने से दोनों कंपनियों में बिकवाली दबाव देखने को मिला। हालांकि,मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में जोरदार लिवाली देखी गयी।'' इस बीच, देश में लगातार छठे दिन तीन लाख से अधिक कोरोना मामले सामने आये हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़े के अनुसार देश में एक दिन में 3,23,144 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाये जाने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,76,36,307 हो गयी है। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर ठीक होने की दर गिरकर 82.54 प्रतिशत हो गयी है।

संक्रमण से पिछले 24 घंटे के दौरान 2,771 लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 1,97,894 हो गयी है। वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग, तोक्यो और सोल में गिरावट रही जबकि शंघाई लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मध्याह्न कारोबार में गिरावट का रुख रहा। उधर, अमेरिकी बाजार में नासदैक और एस एंड पी रिकार्ड ऊंचाई पर रहे।

# AirAsia ने दी यात्रियों को राहत, टिकट कैंसिल कराने पर नहीं देना होगा कोई चार्ज

**(एजेंसी):**

देश भर में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते एयरलाइन कंपनी एयरएशिया इंडिया ने यात्रियों को राहत दी है। कंपनी ने कर्नाटक में लॉकडाउन के दौरान सभी उड़ानों पर एक खास तरह की छूट देने की घोषणा की है। इस छूट के तहत यात्री अब 27 अप्रैल से 10 मई के बीच बुक की गई फ्लाइट के लिए मुफ्त में टिकट को कैंसिल करा सकेंगे और कंपनी इसके लिए किसी भी तरह की कोई चार्ज नहीं वसूलेगी। इसके अलावा एयरएशिया इंडिया ने पुराने टिकट पर दोबारा फ्लाइट टिकट बुक कराने की छूट का भी ऐलान किया है।

**15 मई तक बुक किए गए टिकट पर नहीं लिया जाएगा कोई शुल्क**

एयर एशिया इंडिया ने कहा कि वह 15 मई 2021 तक बुक किए गए टिकट में यात्रा समय और तारीख बदलाव के लिए कोई शुल्क नहीं लेगी। एयर एशिया इंडिया की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि सभी बुकिंग के लिए 15 मई तक यात्रा समय और तारीख में असीमित मात्रा में बदलाव किए जा सकते हैं और इसके लिए यात्रियों को कोई शुल्क नहीं देना होगा। कंपनी ने अनिश्चितता बढ़ने और यात्रा पाबंदियों के बीच यात्रियों की सुविधाओं के लिए यह कदम उठाया है।

एयरलाइन ने अपनी नई वेबसाइट (www.airasia.co.in) के साथ-साथ अन्य प्रमुख बुकिंग चैनलों पर इस प्रस्ताव को बढ़ा दिया है। एयरलाइन ने कहा कि इसने मेहमानों के लिए बुकिंग से लेकर चेक-इन तक सुरक्षित और निर्बाध यात्रा की पेशकश करने के लिए बहुस्तरीय दृष्टिकोण अपनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसने कहा कि है कि इसके सभी विमानों में सफाई और स्वच्छता को लेकर बेहतर ध्यान रखा जा रहा है।

**इन कंपनियों ने भी दी है छूट**

बता दें कि एयर एशिया इंडिया के अलावा इंडिगो और स्पाइसजेट समेत कई विमानन कंपनियों ने इसी प्रकार की घोषणा की है और यात्रियों को बिना किसी शुल्क के यात्रा तारीख में बदलाव की सुविधा दी है। इंडिगो ने कहा था कि वह डोमेस्टिक फ्लाइट के टिकटों पर समय या तारीख बदलने के लिए कोई शुल्क नहीं लेगा। कंपनी 17 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2021 तक नई बुकिंग पर चेंज फीस माफ कर रही है। कंपनी ने बताया है कि यात्री अब नियमित किराए पर 30 अप्रैल, 2021 तक की गई नई बुकिंग के लिए अनलिमिटेड बदलाव कर सकते हैं। वहीं, स्पाइसजेट ने कहा कि नई पेशकश के तहत 17 अप्रैल से 15 मई के बीच सीधी डोमेस्टिक फ्लाइट की यात्रा के लिए 17 अप्रैल से 10 मई के बीच टिकट बुक कराने वाले यात्री एक बार चेंज फीस में छूट ले सकते हैं।

## फ्रॉड में फंसे इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस के प्रमोटर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

महाराष्ट्र पुलिस ने इंडियाबुल्स ग्रुप की कंपनीज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसमें इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस भी शामिल हैं। एफआईआर में कंपनी के प्रमोटर्स और डायरेक्टर्स पर फंड के गबन और अकाउंट में अनियमितताएं बरतने का आरोप है। महाराष्ट्र की पालघर पुलिस ने धोखाधड़ी, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के तहत विभिन्न सेक्शन में एफआईआर दर्ज की है। शेयरहोल्डर आशुतोष कांबले की शिकायत पर पालघर के जुडिशियल मजिस्ट्रेट ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता के सेक्शन 156(3) के तहत जांच करने का आदेश दिया था। इसके बाद ही पुलिस ने 13 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की है। आशुतोष कांबले ने पालघर कोर्ट में दर्ज कराई शिकायत में कहा था कि 2014 से 2020 के दौरान कंपनी के कथित व्यवहारों के कारण उसके शेयरों की वैल्यू गिर रही है।

# कोविड-19 : मध्य प्रदेश में ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए विशेष पैकेज की योजना

**भोपाल (एजेंसी),**

मध्य प्रदेश सरकार कोविड-19 संकट के मद्देनजर प्रदेश में ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने हेतु ऑक्सीजन उत्पादन क्षेत्र में नवीन निवेश को आकर्षित करने के उद्देश से विशेष पैकेज देने की योजना बना रही है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को दी। मध्य प्रदेश उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव संजय शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हम मध्य प्रदेश में ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए एक विशेष पैकेज देने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए हमने मसौदा नीति तैयार कर ली है।''उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में नवीन स्थापित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम अथवा वृहद श्रेणी की वे इकाइयां एवं मध्य प्रदेश की सीमा में स्थापित विद्यमान पात्र इकाई द्वारा स्थापित क्षमता में विस्तार अथवा अन्य क्षेत्रों की विद्यमान औद्योगिक इकाई इसके पात्र होंगे, जो ऑक्सीजन उत्पादन, ऑक्सीजन सिलेंडर निर्माता/फेब्रिकेटर इकाई, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उत्पादक इकाई एवं अन्य सबंधित उपकरण जो ऑक्सीजन उत्पादन में उपयोग में आता है, शामिल हों।शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में नवीन या पूर्व से स्थापित एवं संचालित मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं नर्सिंग होम द्वारा ऑक्सीजन उत्पादन/ ऑक्सीजन सिलेंडर निर्माता इकाई की स्थापना करने पर विशिष्ट पैकेज में प्रावधानित सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों के लिए यह विशेष पैकेज अंतर्गत प्रावधानित सुविधाओं को प्राप्त करने की पात्रता उन्हीं इकाइयों को होगी, जिनकी उत्पादन क्षमता न्यूनतम 10 क्यूबिक मीटर प्रति घंटा ऑक्सीजन उत्पादन की होगी।शुक्ला ने बताया कि पैकेज के तहत पात्र इकाई द्वारा यंत्र एवं संयंत्र तथा भवन (भूमि एवं रिहायशी इकाइयों को छोड़कर) में किये गये पूंजी निवेश पर 50 प्रतिशत की स्थिर दर से मूल निवेश प्रोत्साहन सहायता देय होगी, लेकिन इस सहायता की अधिकतम सीमा 75 करोड़ रूपये होगी। उन्होंने कहा कि पात्र इकाई द्वारा सुरक्षा मानकों यथा अग्नि शमन उपकरणों में किये गये व्यय का 50 प्रतिशत, अधिकतम एक करोड़ रूपये की प्रतिपूर्ति प्रदान की जावेगी। शुक्ला ने बताया कि इसके अलावा, पात्र इकाइयों को प्रचलित विद्युत टैरिफ पर एक रूपये प्रति यूनिट की छूट प्रदान की जावेगी।

## लोगों के जीवन की रक्षा इस्पात उत्पादन से अधिक महत्वपूर्णः सज्जन जिंदल

**नयी दिल्ली (एजेंसी),**

निजी क्षेत्र की कंपनी जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने मंगलवार को कहा कि इस समय उनके लिए अपने इस्पात कारखाने में इस्पात का उत्पादन करने से कहीं अधिक बड़ा काम कोविड-19 महामारी से जूझ रहे देश के लागों की जीवन रक्षा के प्रयास में हाथ बंटाना है। उन्होंने कहा कि समूह की इस्पात इकाई रोगियों के लिए जरूरी प्राण रक्षक गैस तरल चिकित्सकीय आस्क्सीजन (एलएमओ) की किल्लत कम करने के लिए इसकी आपूर्ति बढ़ाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि आक्सीजन को अस्पतालों को देने के लिए कंपनी अपने इस्पात उत्पादन के साथ समझौता भी कर सकती है। जिंदल ने कहा कि कंपनी के किसी संसाधन की देश को जब तक जरूरत है, तब तक वह उसका त्याग करने को तैयार है। गौरतलब है कि केंद्रीय इस्पात मंत्रालय के निर्देश पर देश की इस्पात कंपनियों ने अपने कारखानों से एलएमओ विभिन्न राज्यों में अस्पतालों में आक्सीजन की कमी पूरा करने के लिए भेजनी शुरू कर दी है। जिंदल ने एक बयान में कहा कि इस समय 'लोगों की जीवन रक्षा करना इस्पात बनाने से ज्यादा जरूरी है। कंपनी के संसाधन की देश को जब तक जरूरत है, उसके लिए उत्पादन का त्याग किया जा सकता है।' इस्पात मंत्रालय के अनुसार इस्पात विनिर्माण संयंत्र पहले अपने पास 3.5 दिन की जरूरत की आक्सीजन का स्टाक रखते थे। पर आज चिकित्सा की जरूरत को पूरा करने के उन्होंने केवल आधा दिन की जरूरत की ही गैस का रिजर्व रखना शुरू किया है।

## पीएसीएल के 12.7 लाख से अधिक निवेशकों को उनका पैसा मिलाः सेबी

**नयी दिल्ली (एजेंसी),**

बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को कहा कि पीएसीएल के 12.7 लाख से अधिक निवेशकों के 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के दावों में से 438 करोड़ रुपये की राशि लौटा दी गयी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जांच में पाया था कि पीएसीएल लि. ने कृषि और रियल एस्टेट कारोबार के नाम पर लोगों से 18 साल में 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अवैध सामूहिक निवेश योजना (सीआईएस) के जरिये जुटायी।सेवानिवृत्त न्यायाधीश आरएम लोढ़ा की अध्यक्षता वाली एक समिति ने कंपनी में निवेश करने वाले निवेशकों का पैसा चरणबद्ध तरीके से लौटाने के लिये प्रक्रिया शुरू की थी। सेबी ने एक बयान में कहा, ''31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार समिति ने 12,70,849 पात्र आवेदनकर्ताओं के कुल 10,000 करोड़ रुपये के दावों में से 438.34 करोड़ रुपये लौटाये।''समिति ने फरवरी 2019 में पीएसीएल निवेशकों को पैसा वापस प्राप्त करने के लिये 'ऑनलाइन' आवेदन देने को कहा था। निवेशकों द्वारा अपलोड किये गये दस्तावेजों और उनके आवेदनों के सत्यापन के बाद भुगतान की प्रक्रिया शुरू की गयी थी। समिति ने निवेशकों के आवेदनों में विसंगतियां पाये जाने के बाद, उसे दूर करने के समय-समय पर मौके भी दिये ताकि आवेदन को आगे बढ़ाया जा सके। निवेशकों के लिये यह अवसर 31 मार्च, 2021 तक के लिये था। बयान के अनुसार फिलहाल दावा आवेदनों में गलतियों को सुधारने की सुविधा नहीं है और निवेशकों को इस संदर्भ में समिति की अधिसूचना का इंतजार करना पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि सेबी ने निवेशकों का पैसा लौटाने में असमर्थ रहने पर दिसंबर 2015 में पीएसीएल और उसके नौ प्रवर्तकों तथा निदेशकों की सभी संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिये थे। इससे पहले, नियामक ने 22 अगस्त, 2014 को पीएसीएल, उसके प्रवर्तकों तथा निदेशकों को पैसा लौटाने का निर्देश दिया था। चूककर्ताओं से योजनाएं बंद करने और निवेशकों का पैसा आदेश के तीन महीने के भीतर लौटाने को कहा गया था।

## कोरोना का डरः 80% लोगों ने बाजारों में बंद की खरीदारी, 5 लाख करोड़ का हुआ नुकसान

**(एजेंसी):**

कोरोना की दूसरी लहर के देशभर के व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। व्यापारिक संगठन कैट **(CAIT)** ने दावा किया है कि दिल्ली और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन, कई राज्यों में कोरोना के कारण रात्रि कर्फ्यू, सप्ताहांत लॉकडाउन, आंशिक लॉकडाउन और कई प्रतिबंधों के कारण देश में करीब 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ है।

**80% लोगों ने बंद किया बाजार जाना**

5 लाख करोड़ रुपए में से करीब 3.5 लाख करोड़ का रिटेल कारोबार और 1.5 लाख करोड़ रुपए के थोक कारोबार के प्रभावित होने का अनुमान है। कैट ने भी दावा किया है कि कोरोना के खौफ से देश भर में करीब 80 फीसदी लोगों ने बाजारों में खरीददारी के लिए आना बंद कर दिया है। आपको बता दे कि कैट के रिसर्च विंग कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा विभिन्न राज्यों के व्यापारी संगठनों से बातचीत कर व्यापार में इस नुक्सान का अनुमान लगाया गया है।

**दिल्ली के व्यापार को 25 करोड़ रुपए का नुकसान**

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी कोरोना ने भारी तबाही मचा रखी है। परिस्थितियों को देखते हुए दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने 2 सप्ताह का लॉकडाउन करने की घोषणा की है। इससे व्यापार और व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। कैट ने अपने अध्ययन रिपोर्ट के आधार पर दावा किया है कि अकेले दिल्ली में अब तक करीब 25 हजार करोड़ रुपए का नुक्सान हुआ है। 25000 करोड़ रुपए में से 15 हजार करोड़ रुपए का रिटेल कारोबार और 10 हजार करोड़ रुपए का थोक कारोबार का व्यापार नहीं हो पाया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल कैट 28 अप्रैल से दिल्ली सहित देश भर में एक ऑनलाइन सर्वेक्षण शुरू कर रहा है जो 29 अप्रैल तक चलेगा।

इस सर्वेक्षण में देश भर के व्यापारियों और आम लोगों से कोरोना और चिकित्सा सुविधाओं के मौजूदा हालात को देखते हुए लॉकडाउन या अन्य क्या विकल्प हो सकते हैं, उनके बारे में राय ली जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

## आईपीएल में भाग लेने वाले खिलाड़ी खुद करें अपने स्वदेश लौटने का प्रबंध : मॉरीसन

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि आईपीएल में भाग ले रहे उनके देश के क्रिकेटरों को स्वदेश लौटने का इंतजाम खुद करना होगा। ऑस्ट्रेलिया ने भारत में कोरोना वायरस महामारी की घातक दूसरी लहर के मद्देनजर भारत से आने वाली सभी उड़ानों पर 15 मई तक के लिए प्रतिबंध लगा रखा है। मॉरीसन ने कहा वे वहां निजी यात्रा पर गए हैं। पीएम मॉरीसन ने कहा यह किसी ऑस्ट्रेलियाई दौरे का हिस्सा नहीं है। वे अपने स्वयं के संसाधनों से वहां पहुंचे है। मुझे यकीन है, वे अपनी व्यवस्था के अनुसार ऑस्ट्रेलिया लौटेंगे। ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी एंड्रयू टाइ, केन रिचर्डसन और एडम जम्पा भारत में स्वास्थ्य संकट के बढ़ने के करण आईपीएल को छोड़ने का फैसला किया। भारत में प्रतिदिन तीन लाख से अधिक नए मामले दर्ज हो रहे हैं और 2,000 से अधिक मौतें हो रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के 14 खिलाड़ी अभी लीग में हैं। उनके अलावा कोच रिकी पोंटिंग और साइमन कैटिच, कमेंटेटर मैथ्यू हेडन, ब्रेट ली, माइकल स्लेटर और लीजा स्टालेकर भी यहां हैं। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाज क्रिस लिन ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) से आईपीएल समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों के स्वदेश लौटने के लिए विशेष विमान की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। आईपीएल के लीग मैच 23 मई को समाप्त होंगे जबकि फाइनल 30 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा।

# सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपना विजय अभियान जारी रखने उतरेगी सीएसके

**नई दिल्ली।**

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ पिछले मैच में मिली शानदार जीत से उत्साहित चेन्नई सुपर किंगस (सीएसके) बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सीएसके टीम ने आईपीएल के इस 14 वें सत्र में पहला मैच हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार तीन मुकाबले जीते हैं। अब उसका लक्ष्य सनराइजर्स के खिलाफ इस सिलसिले को जारी रखना रहेगा। सीएसके की टीम ने इस बार आईपीएल की शुरुआत से ही एक इकाई के तौर पर खेला है। उसे अनुभवी खिलाड़ियों सुरेश रैना और रविन्द्र जडेजा के जुड़ने का भी लाभ मिला है। जडेजा ने आरसीबी के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच का रुख मोड़ दिया था। जडेजा ने आरसीबी के खिलाफ आखिरी ओवर में 37 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के साथ ही बेहतरीन क्षेत्ररक्षण भी किया था। सीएसके के लिए सकारात्मक बात यह है कि उसके सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और अनुभवी फाफ डुप्लेसिस अच्छी फार्म में है। इसके अलावा उसे रैना और अंबाती रायुडु से भी लंबी पारियों की उम्मीदें हैं। वहीं दूसरी ओर कप्तान डेविड वार्नर की सनराइजर्स का प्रदर्शन अब तक इस सत्र में निराशाजनक रहा है उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पा रहे। इसके अलावा उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। सीएसके के बल्लेबाजों को सनराइजर्स के स्टार स्पिनर राशिद खान से सतर्क रहना होगा क्योंकि उसके अन्य गेंदबाज अबतब प्रभावी नहीं रहे हैं। सनराइजर्स की निर्भरता कप्तान डेविड वार्नर, सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टॉ, न्यूजीलैंड के दिग्गज केन विलियमसन और राशिद पर बढ़ती जा रही है। उसकी टीम में शामिल मेजबान भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। सनराइजर्स की बल्लेबाजी शीर्ष क्रम पर निर्भर है क्योंकि उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज लय में नहीं हैं। वार्नर और विलियमसन के रन नहीं बना पाये की हालत में टीम बिखर जाती है। मध्यक्रम में शामिल खिलाड़ी अब तक विफल रहे हैं पर अगर टीम को जीत दर्ज करनी है तो उन खिलाड़ियों को भी रन बनाने होंगे। वार्नर को भी जल्द से जल्द खराब फार्म से उबरना होगा। उन्हें सीएसके के तेज गेंदबाज दीपक चाहर से भी सावधान रहना होगा। चाहर के अलावा जडेजा, अनुभवी इमरान ताहिर और सैम करेन भी हैं सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर दबावा बनाएंगे। सनराइजर्स के लिये कमजोर गेंदबाजी भी परेशानी का कारण है। राशिद के अलावा अभी तक किसी अन्य गेंदबाज ने प्रभावित नहीं किया है। अनुभवी भुवनेश्वर कुमार को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी।

# ऑरेंज कैप टेबल में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं राहुल

**अहमदाबाद ।**

पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान केएल राहुल ऑरेंज कैप टेबल में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पहले स्थान पर हैं और राहुल उनसे 19 रन पीछे हैं। राहुल के पास धवन को पीछे छोड़कर ऑरेंज कैप हासिल करने का मौका था लेकिन वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ सिर्फ 19 रन ही बना सके। इस मैच में उनकी टीम पांच विकेट की हार गई थी। इस बीच, तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने सोमवार को पंजाब के खिलाफ मैच के दौरान अपने तीन विकेटों के साथ पर्पल कैप

तालिका के शीर्ष-10 में जगह बनाई। उनके नाम पर कुल आठ विकेट हैं। कृष्णा अब छठे स्थान पर हैं। पांचवें स्थान पर दीपक चाहर हैं। वह राजस्थान रॉयल्स के क्रिस मॉरिस से और मुंबई इंडियंस के राहुल चाहर से एक विकेट पीछे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के हर्षल पटेल के नाम पर्पल कैप है। पटेल के नाम 15 विकेट हैं। दिल्ली कैपिटल्स के अवेश खान दूसरे स्थान पर हैं।

## टेनिस में नडाल फिर दूसरे नंबर पर पहुंचे, मेदवेदेव को धकेला पीछे

**सर्बिया।**

स्पेनिश स्टार राफेल नडाल फिर से एटीपी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। बीस बार के ग्रैड स्लैम चैंपियन नडाल ने रूस के दानिल मेदवेदेव को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। नडाल को रिकॉर्ड 12वीं बार बार्सिलोना ओपन का खिताब जीतने का इनाम मिला है। उन्होंने 26 अप्रैल को तीन सेट के फाइनल में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को तीन सेट के मुकाबले में हराकर ट्रॉफी जीती। सर्बिया के नोवाक जोकोविच दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। डोमिनिक थिएम चौथे और सितसिपास पांचवें नंबर पर हैं।

# राष्ट्रमंडल खेलों में महिला टी-20 प्रतियोगिता के लिए भारत सहित 8 टीमें खेलेंगी

**दुबई ।**

भारतीय महिला क्रिकेट टीम उन छह टीमों में शामिल है जिसने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चार साल में हाने वाले इन बहु- स्पर्धी खेल आयोजन में दूसरी बार क्रिकेट को शामिल किया है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, कैरिबियाई क्षेत्र का एक देश और मेजबान इंग्लैंड को 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में महिला टी20 प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाईड घोषित किया है। 1 अप्रैल को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सात टीमों ने क्वालीफिकेशन हासिल की। आईसीसी और राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने कहा कि एक अन्य टीम का फैसला क्वालीफायर के जरिये होगा जिसमें आठ टीमें भाग लेंगी। अगले साल 28 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टीमों की घोषणा करने वाला क्रिकेट पहला खेल है। राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट को शामिल किया गया हैं। इन खेलों का अब तक 22 बार आयोजन हुआ है क्रिकेट सिर्फ एक बार इसका हिस्सा बना है। 1998 में कुआलालंपुर में हुए खेलों में पुरूषों के एकदिवसीय मुकाबलों का स्वर्ण पदक दक्षिण अफ्रीका ने जीता था। आईसीसी और

सीजीएफ से जारी संयुक्त बयान के मुताबिक, '' क्वालीफाइंग प्रक्रिया के मुताबिक, क्वालीफाइंग प्रतियोगिता से पता चलेगा कि कैरेबियाई क्षेत्र का कौन सा देश इस प्रतियोगिता में भाग लेगा। इसमें खिलाड़ी आईसीसी प्रतियोगिताओं की तरह वेस्टइंडीज के नाम की जगह अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।'' आईसीसी से सोमवार को जारी बयान के मुताबिक , '' इस में भाग लेने वाली आठवीं टीम का फैसला क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के आधार पर होगा, जिसे 31 जनवरी 2020 से पहले करा लिया जाएगा। इसकी विस्तृत जानकारी बाद में दी जाएगी। राष्ट्रमंडल खेलों के क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन ऐतिहासिक ऐजबेस्टन स्टेडियम में होगा। भारतीय महिला टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, '' राष्ट्रमंडल खेलों में जगह पक्की होना बहुत अच्छी बात है। हम पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के बाद अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आश्वस्त हैं।'' सीजीएफ की अध्यक्ष लुईस मार्टिन ने कहा, '' यह महिलाओं के खेल और क्रिकेट दोनों के लिए प्रतिष्ठित बहु-स्पर्धी खेलों में एक शानदार अवसर है।

### संक्षिप्त समाचार

## भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम विश्व रिले से हटी

**नई दिल्ली।** ओलंपिक खेलों की तैयारियों में लगी भारत की महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने पोलैंड में अगले महीने होने वाले वर्ल्ड रिले से अपना नाम वापस ले लिया है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के सूत्रों ने मंगलवार को आईएएनएस से कहा, टीम अनफिट है। टीम की सबसे तेज रनर अंजलि देवी को मार्च में लगी चोट लग गई थी और वह इससे अब तक नहीं उबर नहीं पाई हैं। एथलीटों में से एक ने कहा, तीन मुख्य धावक अनफिट हैं। और उनका कोई सब्सटीटयूट नहीं है। एक और दो मई को चोरजो में आयोजित होने वाला वर्ल्ड रिले, टोक्यो ओलंपिक के साथ-साथ अमेरिका के ओरेगन में 2022 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है। एएफआई ने इस महीने चार गुणा 400 मीटर रिले टीम के लिए छह एथलीटों की घोषणा की थी। इनमें एमआर पूवम्मा, सुहबा वेंकटेश, किरण, अंजलि देवी, आर रेवती, वीके विस्मया और जिस्ना मैथ्यू शामिल है। एएफआई हालांकि पुरुषों के चार गुणा 400 मीटर और महिलाओं के चार गुणा 100 मीटर रिले टीम को पोलैंड भेजेगा।

## भारत में कोरोना की स्थिति पर बोले मोर्गन, दूर से देखना अच्छा नहीं

**अहमदाबाद।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि उनकी टीम भारत में कोविड-19 महामारी के बारे में लगातार बात कर रही है। मोर्गन ने सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ पांच विकेट से मिली जीत के बाद संवाददाता सम्मेमलन में कहा, हम लगातार इस स्थिति के बारे में बात कर रहे हैं जो हमारे बबल से बाहर है। इसे दूर से देखना अच्छा नहीं है।

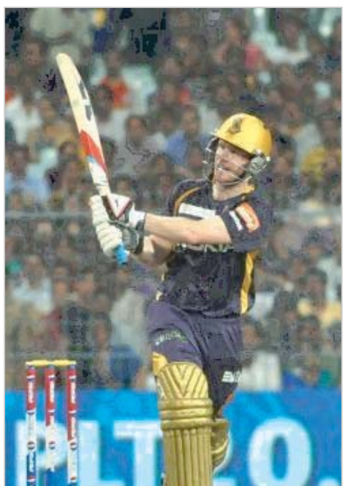

(हम) निश्चित रूप से इस पर विचार कर रहे हैं कि हम एक बबल में कितने भाग्यशाली हैं और इससे प्रभावित नहीं हैं। हम हर उस व्यक्ति को अपना समर्थन देते हैं जो बीमार है और कठिन समय से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, पिछले साल इंग्लैंड में हम लंबे समय तक कड़े लॉकडाउन से गुजरे। और ऐसा लग रहा था कि गर्मियों में क्रिकेट नहीं खेला जाएगा। लेकिन सरकार और ईसीबी के मार्गदर्शन ने एक साथ काम करते हुए, इसे बदलने में मदद की। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान ने कहा है कि इस समय हर कोई इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में हर एकजुट है और वह लोगों से सुरक्षित रहने का अपील करते हैं।

# खिलाड़ियों की मदद के लिए सीए भारत सरकार के साथ संपर्क में

**सिडनी।**

आस्ट्रेलिया की सरकार ने भारत से आने वाले सभी विमानों पर 15 मई तक के लिए रोक लगा दी है, ऐसे में क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि आईपीएल में खेल रहे अपने खिलाड़ियों को वापस स्वदेश लाने के मुद्दे पर वह अपने खिलाड़ियों और भारत सरकार के साथ संपर्क में है। आस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में भारत से प्रत्यक्ष उड़ानों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई है। हालांकि, सीए और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसीए) दोनों ने कहा है कि वे खिलाड़ियों की सहायता करने के लिए तैयार हैं और इसके लिए सरकार के साथ बातचीत करेंगे। सीए ने एक बयान में कहा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन मौजूदा स्थिति के बारे में भारत के खिलाड़ियों, कोचों, मैच अधिकारियों और मैदान पर टिप्पणीकारों के साथ नियमित रूप से बातचीत कर रहे हैं और हम जहां संभव हो, वहां सहायता करेंगे। उन्होंने कहा, आज की घोषणा के बाद हम ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ निकटता से संपर्क बनाए रखना चाहते हैं कि भारत से ऑस्ट्रेलिया के लिए सीधी उड़ानें 15 मई तक रोक दी जाएंगी, और 30 मई तक टूर्नामेंट की समाप्ति तक स्थिति की निगरानी करेंगे। आईपीएल के मौजूदा 14वें सीजन में 30 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं उनमें से तीन तो स्वदेश भी लौट आए हैं जबकि बाकी अभी लीग में खेल रहे हैं। टूर्नामेंट में बायो सिक्योर बबल में सभी को सुरक्षित रखने के उनके प्रयासों के लिए हम बीसीसीआई और आईपीएल को धन्यवाद देते हैं। इससे पहले, आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने मंगलवार को कहा कि आईपीएल में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को वतन लौटने के लिए अपनी खुद की व्यवस्था करनी होगी, क्योंकि उन्होंने निजी तौर पर भारत की यात्रा की है। द गार्जियन ने मॉरिसन के हवाले से लिखा है, उन्होंने निजी तौर पर वहां की यात्रा की है। यह एक ऑस्ट्रेलियाई दौरे का हिस्सा नहीं था। वे अपने संसाधनों के तहत हैं और वे उन संसाधनों का भी उपयोग करेंगे, मुझे यकीन है। उन्हें अपनी व्यवस्था के अनुसार ऑस्ट्रेलिया लौटना होगा।

## लंबे ब्रेक के बाद भी हमने तालमेल नहीं खोया : फॉरवर्ड मनदीप

**बेंगलुरू।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड मनदीप सिंह ने मंगलवार को कहा कि लंबे ब्रेक के बाद तालमेल खोना बेहद आसान था, लेकिन ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ मिली जीत से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। मनदीप ने कहा, जब कोई टीम लंबे समय के बाद खेलती है तो उसका तालमेल बिगड़ सकता है, लेकिन हमने बहुत जल्दी सामंजस्य बिठाया और एक टीम के रूप में जल्द ही लय में लौट आए। 26 वर्षीय मनदीप ने एफआईएच प्रो लीग के दूसरे मैच में अर्जेंटीना के खिलाफ मिली 3-0 की जीत में गोल किया था। भारत ने प्रो लीग के दोनों मैच में अर्जेंटीना को मात दी थी। उन्होंने कहा, टीम अभी बहुत अच्छी तरह से तैयार लग रही है। हमें बेसिक्स पर ध्यान रखना होगा। हमने जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया और इसके बाद अर्जेंटीना का सफल दौरा शानदार रहा। हमने अपने पिछले दो दौरों में अच्छी लय हासिल की तथा अब हम कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। पिछले आठ साल से सीनियर टीम के साथ रह रहे मनदीप ने टीम के लिए अब तक 82 गोल दागे हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों में इतिहास रचना टीम का एकमात्र लक्ष्य है। मनदीप ने कहा, हमारा पूरा ध्यान ओलंपिक पर है और मुझे लगता है कि इसमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हम बेहद भाग्यशाली हैं कि देश में इस मुश्किल समय में हमें बेंगलुरू में सुरक्षित माहौल में ट्रेनिंग करने को मिल रहा है।

## एएफसी चैंपियंस लीग में एफसी गोवा ऐतिहासिक जीत से चूका

**फातोर्दा (गोवा)।**

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब एफसी गोवा को एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण के अपने पांचवें मुकाबले में कतर के अल रेयान क्लब के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा। सोमवार रात यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-ई के इस मुकाबले में जॉर्ज ओर्टिज ने तीसरे मिनट में ही गोल करके गोवा को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। मेजबान टीम ने इस बढ़त को आखिर तक कायम रखा। लेकिन 89वें मिनट में अली फरीदून ने शानदार गोल करके अल रेयान को 1-1 की बराबरी दिला दी। एफसी गोवा की टीम अंकतालिका में तीन अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है जबकि अल रेयान दो अंकों के साथ चौथे नंबर पर है।

# भारत में खेल रहे अपने क्रिकेटरों को दैनिक आधार पर सलाह दे रहा है ईसीबी

**अहमदाबाद।**

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने वाले अपने खिलाड़ियों के साथ संपर्क में हैं और दैनिक आधार पर उन्हें सलाह मुहैया करा रहा है। ईसीबी ने हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं की कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन के बाद उसके और खिलाड़ी भारत छोड़कर स्वदेश जाने की तैयारी में हैं। ईसीबी के प्रवक्ता ने पीए को बताया, हम व्यक्तिगत आधार पर खिलाड़ियों के साथ निगरानी और काम करना जारी रखे हुए हैं। हम उन लोगों को प्रतिदिन सलाह दे रहे हैं जो हमसे सलाह चाहते हैं। हमारे विचार इन कठिन समय के दौरान भारत के लोगों के साथ हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स और इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने सोमवार को स्वीकार किया कि संगरोध और बुलबुला जीवन कठिन है और उन्हें इसका प्रबंधन करना होगा। मोर्गन ने पंजाब किंग्स पर मिली जीत के बाद कहा, निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि यह चुनौतीपूर्ण है और इसे खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ के लिए प्रबंधित किया जाना है। बुलबुले के बाहर क्या हो रहा है की भयावह प्रकृति पर जब आप विचार करते हैं, तो हम भयभीत हो जाते हैं लेकिन यह समय दुनिया भर के लोगों को अपना समर्थन और सहयोग देने का है। यदि आप बाहर जा रहे हैं, तो एक मास्क पहनें, सामाजिक दूरी बनाएं। हमने घर पर पहली बार देखा है कि यह कितना विनाशकारी हो सकता है। तीन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने पहले ही व्यक्तिगत कारणों का

हवाला देते हुए भारत छोड़ दिया है, यानी वे अपने देश से बाहर निकलना नहीं चाहते हैं, लिविंगस्टोन के अलावा कोई भी अंग्रेज खिलाड़ी भारत से बाहर नहीं गया है। बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर चोटों के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं।

## हमारे स्पिनर गेंद को घुमाते नहीं, वे लेंग्थ को नियंत्रित करते हैं: मॉर्गन

**अहमदाबाद।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान इयोन मोर्गन ने अपने स्पिनरों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे स्पिनर गेंद को घुमाते नहीं, वे लेंग्थ को नियंत्रित करते है। केकेआर के स्पिनरों ने अपनी विविधताओं से पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों को भ्रमित किया और सोमवार को हुए इंडियन प्रीमियर लीग मैच में अपनी टीम को पांच विकेट से जीत दिलाई। सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती दोनों ने हर ओवर में छह रन से कम खाए। नरेन ने अपने चार ओवरों में 22 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि वरुणे ने अपने चार ओवरों के कोटे में 24 रन देकर एक विकेट लिया। मॉर्गन ने कहा, हमारे पास ज्यादातर स्पिनरों के लिए फायदा यह है कि हमारे स्पिनर विभिन्न प्रकार के गेंदबाज हैं। वेराइटी गेंदबाज हैं। वे ड्रिफ्ट या टर्न पर भरोसा नहीं करते हैं। वे अपनी लंबाई को अच्छी तरह से नियंत्रित करते हैं और थोड़ी सी मात्रा में ही वे टर्न पर भरोसा करते हैं और आज वे असाधारण थे। बाएं हाथ के मॉर्गन, जिन्होंने 2019 विश्व कप जीत के लिए इंग्लैंड का नेतृत्व किया, ने तेज गेंदबाज शिवम मावी की भी तारीफ की, जिन्होंने खतरों के खिलाड़ी क्रिस गेल को जल्दी आउट कर दिया। मोर्गन ने कहा, यह इस सीजन में केवल उनका दूसरा गेम था। गेल के खिलाफ मैच-अप अनुकूल था। उन्होंने आखिरी गेम में अच्छी गेंदबाजी की और यहां अच्छी शुरूआत की। उन्होंने गेल को आउट कर हमारे बड़ा प्रभाव कायम किया। उन्हें इसका श्रेय दिया जाता है।

# लीडर बनोगे या पोजीशन होल्डर?

**अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है।**

आईआईएम कोझिकोड के निदेशक देबाशीष चटर्जी ने अपनी हालिया किताब 'द अदर 99' में लीडरशिप के जटिल मुद्दों को उठाया है। एक लीडर और एक पोजिशन होल्डर के बीच के अंतर पर यह किताब खास जोर देती है। किताब कहती है कि अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है। इस भूमिका में एक नेता जीवन को वह लौटा रहा होता है, जो उसे जीवन से मिला है। अपने योगदान से वह अपने साथ के लोगों को विकसित करने और उन्हें अपना प्रकाश ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करता है। पोजिशन होल्डर की तुलना में एक लीडर का काम स्व-सेवा के दायरे से निकल कर बड़े स्तर पर काम को प्रभावित करना होता है। अक्सर हम अपनी ऊर्जा काम की जगह काम के बारे में बोलने में खर्च करते हैं। आईबीएम के सीईओ लो गर्स्टनम ने कहा है, मैं हरेक काम को बिना बोले अंजाम देने में यकीन रखता हूं। जब काम सब कुछ कह रहा हो, तो बोलकर उसमें बाधा डालने की जरूरत क्या है? जब काम कर रहे हों, तो पूरा ध्यान काम पर ही लगाएं। जैसे, जब आप चल रहे हों, तब केवल चलें और अपने पैरों का सतह के साथ संपर्क अनुभव करें। आपको अपने पैर ऊर्जा के केंद्र प्रतीत होंगे। अन्य कार्यों में भी ऐसा करके आप अपने कामों को गति दे सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा तरीका नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना है। हारवर्ड के एक शोध के अनुसार जो लोग बिना किसी लोभ के दूसरों की मदद करते हैं, उनमें ऊर्जा का स्तर अधिक होता है। दूसरों की मदद करके हम अपनी सीमाओं में विस्तार कर पाते हैं। कार्यों में गैर जरूरी और बेतरतीब कामों को नोट करके रखें। काम के दौरान गॉसिपिंग एक ऐसा ही कार्य है, जिससे काम में भी कोई मदद नहीं मिलती और मूर्खतापूर्ण बातों में समय और ऊर्जा भी व्यर्थ होते हैं। अपनी ऊर्जा को गैर-जरूरी कामों से निकाल कर जरूरी कामों में निवेश करें। कब विराम लगाना है, यह जानना भी जरूरी है। एक सीमा के बाद कार्य पर से ध्यान हटाना भी जरूरी होता है, क्योंकि हरेक चीज की अपनी रफ्तार होती है, जिस पर आपका नियंत्रण नहीं होता। आपका अतिरिक्त प्रयास उसमें गति नहीं देता। जैसे दफ्तर के लिए बस में बैठने के बाद बार-बार ड्राइवर को ऑफिस पहुंचने का निर्देश देना जरूरी नहीं होता।

# पूंजी-बाजार की पकड़ देगी अच्छा रिटर्न

**बीएफएसआई यानी बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस, ऐसा सेक्टर है जो गतिशील होने के साथ-साथ विविधता भरा है। यहां सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए, एमएफआई/आईआरडीए जैसे सर्टीफिकेटधारियों की अच्छी मांग तो है ही, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल प्लानिंग या सीएफपी वालों को भी खासी वरीयता दी जा रही है। रिसर्च में भी अवसरों की कमी नहीं है।**

बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में आए सुधार ने इन क्षेत्रों के जानकारों की मांग बढ़ा दी है। यही नहीं, बैंकिंग कंपनियों के आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट्स की तेजी ने आईटी कंपनियों में भी वित्तीय समझ रखने वाले प्रोफेशनल्स की उपस्थिति को अनिवार्य बना दिया है। आईटी और एफएमसीजी की ओर रुख कर रहे छात्र एक बार फिर बीएफएसआई में कैरियर की अच्छी संभावनाएं देखने लगे हैं। बीएफएसआई क्षेत्र में मौजूद व्यापक संभावनाओं को इस बात से समझा जा सकता है कि फिलहाल देश के 40 प्रतिशत लोग ही बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। छह लाख से अधिक गांव ऐसे हैं, जहां बैंक अभी तक नहीं पहुंचे हैं और कुल 38 प्रतिशत बैंक शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही हैं। बैंक और वित्त मामलों के जानकार वीके सूरी के अनुसार 'इसमें दोराय नहीं कि बैंकिंग, वित्त और इंश्योरेंस सुविधाओं में हो रहे विस्तार से ग्रामीण क्षेत्र बहुत दिनों तक अछूते नहीं रहेंगे। दिनोंदिन फैल रहा इनका नेटवर्क टॉप बी-स्कूलों के प्रोफेशनल्स के साथ वित्तीय मामलों की समझ रखने वाले सामान्य कॉमर्स ग्रेजुएट्स और आईआरडीए/एएमएफआई सर्टीफिकेट कोर्स करने वालों युवाओं के लिए भी नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेगा। बीएफएसआई एक गतिशील क्षेत्र है। यहां सभी स्तर पर रोजगार के अवसर हैं, बशर्ते आप इंडस्ट्री में आ रहे बदलावों से खुद को अपडेट रखें। एक पेड़ जितना बाहर से बड़ा और मजबूत होता है, उतनी ही उसकी जड़ें भीतर भी फैली होती हैं। इसी कारण इस क्षेत्र में पैठ बनाने के लिए फ्रेशर्स को प्रारंभ में पैसे से अधिक अनुभव और जानकारी अर्जित करने पर फोकस रखना चाहिए।

## हायरिंग ट्रेंड्स

बीएफएसआई एक सदाबहार क्षेत्र है, जिनके जानकारों की मांग सभी क्षेत्रों में होती है। इस इंडस्ट्री में काम करने वालों के लिए इतने अधिक अवसरों की उपलब्धता इससे पहले कभी नहीं रही। जॉब मार्केट में भी

लचीलापन है और सभी स्तरों पर रोजगार के अवसर हैं। एक अनुमान के अनुसार इस वित्त वर्ष में बीएफएसआई में लगभग 65 हजार से अधिक नई नौकरियों के अवसर उत्पन्न होंगे।

## खुद को करें तैयार

सूचना तकनीक की भूमिका बढ़ने से बैंकिंग क्षेत्र में ढांचागत परिवर्तन हो रहे हैं। ग्लोबल बैंकिंग के क्षेत्र में हो रहे विस्तार तथा इंटरनेशनल ट्रेड में बढ़ती भागीदारी इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की मांग को बढ़ाएगी। रवि राव कहते हैं, 'भारतीय निर्यात यदि 15 प्रतिशत की सालाना दर से भी बढ़ता है तो विदेशी विनिमय से जुड़े कारोबार में प्रोफेशनल्स की मांग बड़े स्तर पर होगी।' क्रेडिट सेवाओं का दायरा भी लगातार मजबूत हो रहा है। विभिन्न फाइनेंशियल कंपनियां इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड निवेश की योजनाएं पेश कर रही हैं। ब्रोकरेज व कंसल्टिंग फर्मों में पोर्टफोलियो मैनेजरों की मांग और बढ़ेगी।

## इन स्किल्स की दरकार

बीएफएसआई, आर्थिक लेन-देन और हिसाब-किताब से जुड़ा क्षेत्र है, इसी कारण यह संवेदनशील भी है। कैरियर काउंसलर के अनुसार 'निवेश सलाह देने वाली कंपनियां बाजार में तेजी से बढ़ रही हैं। इस क्षेत्र में काम करने वालों के लिए वित्त मामलों की समझ होना जरूरी है। लोगों की जरूरत को समझकर उनकी निवेश पूंजी में वृद्धि करने का गुण उम्मीदवार में अवश्य होना चाहिए। इसलिए कॉमर्स ग्रेजुएट्स या पोस्ट ग्रेजुएट्स, बैंकिंग और फाइनेंस में एमबीए, साथ ही एएमएफआई/आईआरडीए जैसा सर्टीफिकेशंस रखने वालों की खासी मांग रहती है।

# वर्कप्लेस पर बोलें जरा संभलकर

**सहकर्मियों और बॉस को अपना मुरीद बनाना चाहते हैं तो विषय के साथ प्रभावी बातचीत करने के गुर सीखने पर भी जोर दें। वर्कप्लेस पर आपकी बातचीत तनाव का कारण न बने, इसके लिए समय, स्थान और व्यक्ति को ध्यान रखना जरूरी होता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 'चलता है' एटीट्यूड महंगा पड़ता है।**

नितिन एक सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, उन्हें नौकरी करते हुए अभी डेढ़ साल ही बीता है। इस दौरान वे चार प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर अलग-अलग टीमों के साथ काम कर चुके हैं। इस वर्ष उन्हें प्रमोशन भी मिली, साथ में अच्छी परफॉरमेंस के कारण कंपनी ने उन्हें बेस्ट एंप्लॉई की सूची में रखते हुए दो बड़े मॉल्स से पांच-पांच हजार की शॉपिंग के गिफ्ट वाउचर भी दिए। नितिन की इस तरक्की में उनकी तकनीकी समझ के साथ अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स की भी खासी भूमिका रही है। नितिन कहते हैं, 'मेरे अप्रेजल फॉर्म में सीनियर बॉस ने फीडबैक में लिखा कि मैं सीनियर्स व टीम के सदस्यों के साथ शालीनता से पेश आता हूं। नए काम के बारे में मेरी सोच सकारात्मक होती है और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स के कारण मुझे दूसरे सेंटर्स पर भी क्लाइंट्स से बातचीत के लिए भेजा जा सकता है।' एस्पायर ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट के ईवीपी आलोक जैन कहते हैं, 'वर्कप्लेस पर उम्मीदवार की प्रभावी बातचीत का ढंग दूसरे कर्मचारियों में उम्मीदवार की अच्छी साख बनाता है। स्किल्स से आशय है कि आप दूसरे पक्ष तक बिना किसी उलझन के अपनी बात सही रूप में पहुंचाएं। नियम है कि जैसी आपकी बात होती है, वैसी ही आपको प्रतिक्रिया मिलेगी।' पर्सनैलिटी एन्हैंसर रीता गंगवानी कहती हैं, 'वर्कप्लेस पर प्रभावी कम्युनिकेशन के दो सूत्र हैं। पहला, अपनी बात बोलने के साथ दूसरों की बात को सही ढंग से सुनें। बात को समझने के बाद ही कोई प्रतिक्रिया दें। दूसरा, बात करते समय सही स्थान और समय का ध्यान रखें। कौन सी बात सहकर्मियों के समक्ष बोलनी है, मीटिंग में किस बात को कैसे रखना है आदि। खुले में सीनियर की बात पर कैसी प्रतिक्रिया देनी है, इसे ध्यान रखना जरूरी है। सीनियर की गलत बात पर तुरंत नकारात्मक प्रतिक्रिया न दें। अपनी बात सुझावात्मक ढंग से रखें। यदि बॉस आपसे बहुत खुल कर बातचीत करते हैं तो भी आप अपनी सीमाओं में रहें।' कैरियर काउंसलर जितिन कहते हैं, 'विभाग और टीम के सदस्यों के साथ इंटर्नल तथा कस्टमर और क्लाइंट के साथ एक्सटर्नल कम्युनिकेशन दोनों ही मायने रखते हैं। आईटी, बीपीओ, रिटेल या टूरिज्म जैसे सेवा क्षेत्रों में इंग्लिश कम्युनिकेशन की एक खास भूमिका होती है। आमतौर पर तकनीकी पृष्ठभूमि से जुड़े युवा और शैक्षिक संस्थानों में कम्युनिकेशन पहलू पर महत्व नहीं देते, जो अंतत: उम्मीदवार की रोजगार योग्यता को कम कर देता है। यह एक ऐसी जरूरत है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। सीनियर के साथ एसएमएस या ई-मेल से बात करते समय अपने लिखे हुए को अच्छी तरह अवश्य पढ़ लेना चाहिए। स्पैलिंग और ग्रामर के साथ अपनी शैली पर भी ध्यान दें।'

## हर स्तर पर काम आती है कम्युनिकेशन स्किल

जॉब मार्केट में उतरते ही प्रोफेशनल व्यवहार और बातचीत का ध्यान रखना जरूरी होता है। रिज्यूम और इंटरव्यू में तो रिक्रूटर्स उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल्स को परखते ही हैं, काम के दौरान भी कम्युनिकेशन स्किल काफी मायने रखती है। रिज्यूम और इंटरव्यू के दौरान विनम्र और सकारात्मक रुख से बात करें। सीनियर स्तर पर अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है। ई-मेल से कम्युनिकेट करते समय उसकी ड्राफ्टिंग कंपनी की कार्य संस्कृति ध्यान में रखकर करें, जैसे वरिष्ठ को नाम से संबोधित कर सकते हैं या नहीं, आदरसूचक शब्दों के तौर पर वहां क्या इस्तेमाल करते हैं आदि। अक्सर फ्रेशर्स सीधे ही बात लिख देते हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है। बॉस के स्वभाव को ध्यान में रखें। कर्मचारियों की लेखन क्षमता जानने के लिए कंपनियां शुरुआत में उनकी रुचियों या संस्थान को ज्वॉइन करने के उद्देश्य के संबंध में लिखित में नोट लेती हैं, जिससे उम्मीदवारों की वॉकेबुलरी, वाक्य संरचना और संक्षेप में बात प्रस्तुत करने की योग्यता का पता लगाना आसान हो जाता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में चलता है नहीं चलता।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### कोविड-19 रोगियों को घर बैठे सुविधा देंगे भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर, जारी किया हेल्पलाइन नम्बर

वाशिंगटन। बिहार और झारखंड से संबंध रखने वाले डॉक्टरों के एक भारतीय-अमेरिकी समूह ने कोविड-19 रोगियों को घर बैठे निशुल्क परामर्श उपलब्ध कराने के लिये एक हेल्पलाइन शुरू की है। उत्तरी अमेरिका के बिहार एवं झारखंड एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर अविनाश गुप्ता और विभिन्न भारतीय-अमेरिकी डॉक्टरों की अगुवाई में यह समूह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों को इंटरनेट और ऐप के जरिये निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करता है। एफआईए के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर आलोक कुमार ने कहा, यह घर पर बैठे लोगों को मदद करने के हमारे प्रयास का हिस्सा है। उन्होने बताया कि शुरुआती कुछ दिन में ही लगभग एक दर्जन डॉक्टर काफी सारे कोविड-19 रोगियों को मुफ्त में परामर्श प्रदान कर चुके हैं।

### श्रीलंका में बुर्का-नकाब के साथ घर से निकलने पर रोक, कैबिनेट ने प्रस्ताव को दी मंजूरी; देश की सुरक्षा के लिए बताया गया खतरा

कोलंबो। श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक स्थलों पर सभी प्रकार के चेहरे के नकाब को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होने का हवाला देते हुए इस पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। हालांकि, कोविड-19 से निपटने के लिए मास्क पहनने की अनुमति है। यह कदम ऐसे समय आया है जब जन सुरक्षा मंत्री सरत वीरसेकरा ने मार्च में एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें बुर्का पर प्रतिबंध लगाने के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी प्राप्त करने की बात कही गई थी। बुर्के का इस्तेमाल मुस्लिम महिलाओं द्वारा चेहरा और शरीर को ढकने के लिए किया जाता है। कैबिनेट प्रवक्ता और सूचना मंत्री केहलिया रामबुकवेला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक स्थलों पर सभी प्रकार के नकाब पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। उन्होंने बुर्के का कोई उल्लेख नहीं किया। उन्होंने कहा, 'सभी तरह के नकाब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। इस तरह से इसमें सभी तरह के बुर्का और नकाब शामिल हो जाएंगे।' इस प्रस्ताव को अब कानून बनाने के लिए इसे संसद से अनुमोदित कराना होगा। पिछले महीने श्रीलंका में पाकिस्तान के उच्चायुक्त साद खट्टक ने देश में बुर्का पहनने पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव की आलोचना करते हुए कहा था कि सुरक्षा के नाम पर ऐसे फ्रविभाजनकारी कदमफ्र से न केवल मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी बल्कि द्वीपीय देश में अल्पसंख्यकों के मौलिक मानवाधिकारों के बारे में व्यापक आशंकाओं को भी बल मिलेगा।' इस बीच, वीरसेकरा ने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा कि मंत्रिमंडल ने बुर्का सहित सभी तरह के नकाब पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

### द.अफीकी स्वास्थ्य मंत्री का बयान, कहा- ब्रिटेन और यूरोप जैसी स्थिति का सामना कर रहा है भारत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री ज्वेली मखीजे ने कहा कि भारत में रोजाना बड़ी संख्या में संक्रमण के मामले सामने आने से कोविड-19 का वैसा ही संकट खड़ा हो गया है, जैसा दुनिया के दूसरे हिस्सों में पहले देखा जा चुका है। मंत्री से राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारक सीएबीएस पर सोमवार सुबह पूछा गया कि भारत में जारी व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम मौजूदा लहर को क्यों नहीं रोक पाया है। मखीजे ने कहा, अलग-अलग देशों के समान अनुभव रहे हैं। एक ओर वहां टीकाकरण चल रहा है तो दूसरी ओर अगली लहर भी आ रही है, लिहाजा आप पक्के तौर पर यह नहीं कह सकते कि टीकाकरण इसे रोक देगा। उन्होंने कहा, भारत जिस स्थिति का सामना कर रहा है, ब्रिटेन और यूरोपीयीय देशों के साथ भी ठीक वैसी ही समस्या थी। उन्होंने कहा, हमने अपने देश में बिना किसी टीके के दूसरी लहर का सामना किया और ऐहतियाती उपायों (मास्क और भौतिक दूरी) के दम पर मामलों की संख्या काबू में रखने में कामयाब रहे। मखीजे ने कहा कि इन उपायों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिये ताकि जब भी अगली लहर आये तो स्थिति काबू से बाहर न हो सके।

### भारत की मदद के लिये व्हाइट हाउस ने की सभी संसाधनों का इस्तेमाल करने की अपील

वाशिंगटन। बोस्टन स्थित एक चैम्बर ने व्हाइट हाउस और कांग्रेस से भारत में लोगों की जान बचाने में मदद के लिये अपने सभी संसाधनों का इस्तेमाल करने का अनुरोध किया है। साथ ही उसने आगाह किया कि अमेरिका की ओर से किसी भी तरह की देरी किये जाने से भारत का कोविड-19 आपातकाल एक वैश्विक स्वास्थ्य एवं आर्थिक संकट बन सकता है। यूएसए इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स (यूएसएआईसी) ने कहा कि भारत में कोविड-19 मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि ने सभी वैश्विक रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। उसे पश्चिमी देशों की ओर से तत्काल मदद की जरूरत है। अमेरिका दुनिया का एकमात्र देश है जिसके पास भारत की मदद के लिये संसाधन और सामग्री है। यूएसएआईसी के अध्यक्ष करुण ऋषि ने कहा, अमेरिकायुद्धस्तर पर और समयबद्ध तरीके से मदद मुहैया कराने में नाकाम रहा तो भारत में और लोगों की जान जा सकती है।

# पीएम मोदी से चर्चा के बाद बोले बाइडेन, जरूरत के वक्त में भारत हमारे साथ था और अब हम उनके साथ रहेंगे

**वाशिंगटन। (एजेंसी)।**

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि भारत जरूरत के वक्त अमेरिकी लोगों के साथ था और भारत में अब तक के सबसे बुरे जन स्वास्थ्य संकट के समय अमेरिका उसके साथ खड़ा रहेगा। बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर हुई बातचीत के बाद यह कहा। दोनों नेताओं ने सोमवार को फोन पर बातचीत की। व्हाइट हाउस ने भारत को औषधियां, वेंटिलेटर तथा कोविशील्ड टीके के निर्माता के लिए आवश्यक कच्चा माल सहित अन्य संसाधनों को मुहैया कराने की घोषणा की है। बाइडन ने मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के तुरंत बाद ट्वीट किया, ''भारत हमारे लिए खड़ा था और हम उनके लिए खड़े रहेंगे।'' बाइडन के 20 जनवरी को अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के तौर पर पदभार संभालने के बाद दोनों नेताओं के बीच फोन पर यह दूसरी बातचीत है।

बाइडेन ने कहा, ''आज मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की और कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में आपात सहायता एवं संसाधन मुहैया कराने के लिए अमेरिका की तरफ से पूर्ण सहयोग देने का संकल्प जताया।'' दोनों नेताओं के बीच करीब 45 मिनट तक बाचतीत हुई। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, ''राष्ट्रपति ने भारत के लोगों को तत्काल सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया जो कोविड-19 के मामलों में हाल ही में हुई वृद्धि से जूझ रहे हैं।'' भारत के अनुरोध पर अमेरिका ऑक्सीजन और संबंधित आपूर्ति मुहैया कराने के विकल्पों को तलाश रहा है। उन्होंने कहा, ''हम भारत में आपात स्थिति पर विचार करते हुए कम आवश्यकता वाले देशों की मदद के लिए जाने वाले जहाजों का मार्ग परिवर्तित कर सकते हैं और उम्मीद है कि जल्द ही हमें इस पर और जानकारियां मिलेंगी।'' उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग फील्ड ऑक्सीजन उत्पादन प्रणालियां मुहैया कराने पर भी विचार कर रहा है जिसका इस्तेमाल अमेरिका ने अपने फील्ड मेडिकल अस्पतालों में किया था। साकी ने कहा कि प्रत्येक ईकाई 50 से 100 बिस्तरों को ऑक्सीजन मुहैया करा सकती है।

प्रशासन ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स और वेंटीलेटर्स मुहैया कराने के विकल्पों पर भी गौर कर रहा है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका ने पिछले साल भारत को 200 वेंटीलेटर्स मुहैया कराए थे और चिकित्सा पेशेवरों को उनके इस्तेमाल को लेकर प्रशिक्षित किया था।'' उन्होंने कहा, ''और जिन चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है वह पीपीई किट है और हमने इसके लिए भी अमेरिकी वाणिज्यिक आपूर्तिकर्ताओं की पहचान की है। हमने रेमडेसिविर के अमेरिकी वाणिज्यिक आपूर्तिकर्ताओं की भी पहचान की है।'' भारत ने सात आवश्यक चीजों की सूची दी है जिसकी उसे तत्काल आवश्यकता है। इस सूची में ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स, 10 लीटर और 45 लीटर की क्षमता के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन जेनरेटर्स, ऑक्सीजन उत्पादक संयंत्र, रेमडेसिविर, फैविप्रिविर और टोसिलिजुमैब शामिल हैं। इस बीच अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि बाइडन प्रशासन कोविड-19 से निपटने में भारत को आवश्यक चिकित्सा सामान की आपूर्ति के लिए लगातार काम कर रहा है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि भारत में मौजूदा हालात अमेरिका के लिए चिंता का सबब हैं। उन्होंने कहा, ''हम भारत में अपने

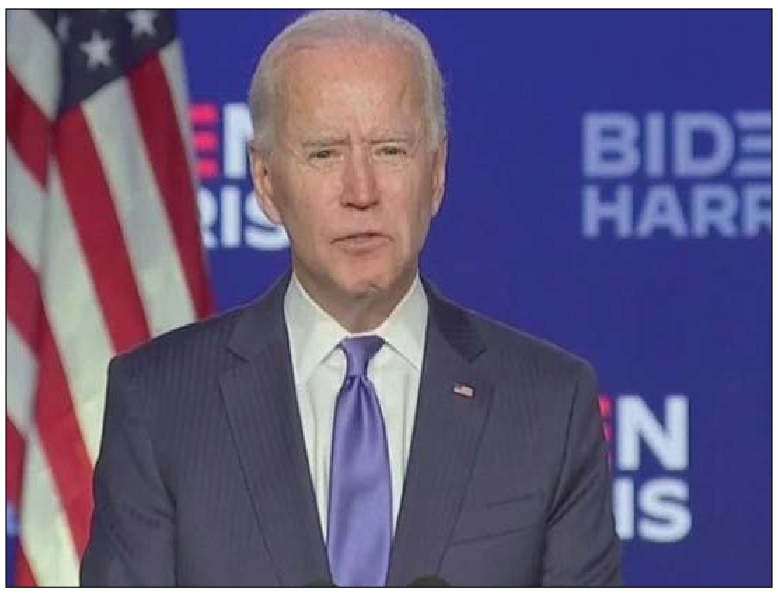

मित्रों और साझेदारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत को जिन चीजों की तत्काल जरूरत है उनकी आपूर्ति के लिए लगातार काम कर रहे हैं और इसमें ऑक्सीजन सहायता एवं संबंधित सामान शामिल हैं लेकिन साथ ही इसमें रैपिड जांच किट, वेंटीलेटर्स, निजी रक्षात्मक उपकरण या पीपीई, अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे भारत के स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की रक्षा करने वाले सभी सामान शामिल हैं।

# भारत की मदद के लिए आगे आया अमेरिका, टॉप 40 कंपनियों ने किया वैश्विक कार्यबल का गठन

**वाशिंगटन। (एजेंसी)।**

अमेरिका की शीर्ष 40 कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत की मदद करने के लिए वैश्विक कार्यबल के गठन के वास्ते एकजुट हुए हैं। डेलोइट के सीईओ पुनीत रंजन ने कहा कि यूएस चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स की यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल और यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम एंड बिजनेस राउंडटेबल की सामूहिक पहल कार्य बल ने सोमवार को यहां एक बैठक में अगले कुछ हफ्तों में भारत में 20,000 ऑक्सीजन मशीनें भेजने की प्रतिबद्धता जताई। महामारी पर यह वैश्विक कार्यबल भारत को अहम चिकित्सा सामान, टीके, ऑक्सीजन और अन्य जीवनरक्षक सहायता मुहैया कराएगा। किसी देश में जन स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए बने अपनी तरह के पहले वैश्विक कार्य बल को अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने संबोधित किया।

ब्लिंकन ने ट्वीट किया कि यह बातचीत दिखाती है कि कैसे भारत के कोविड-19 संकट के समाधान के लिए अमेरिका और भारत अपनी विशेषज्ञता और क्षमताओं का लाभ उठा सकता है। रंजन ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''सप्ताहांत में अमेरिका की कई कंपनियां एक साथ आईं। हम हरसंभव मदद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पहली लहर से सफलतापूर्वक निपटने के बाद हम बहुत आश्वस्त हैं, हमारा मनोबल ऊंचा है लेकिन इस लहर ने देश को हिला दिया है। अब हमारी जिम्मेदारी किसी भी तरीके से इससे निपटने की है।'' उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी ऑक्सीजन और उसके कंसनट्रेटर्स हैं। उन्होंने कहा कि वे अगले कुछ हफ्तों में भारत में 20,000 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर्स भेजेंगे।

रंजन ने कहा कि पहली 1,000 मशीनें इस हफ्ते तक पहुंच जाएंगी और पांच मई तक अन्य 11,000 मशीनों के पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दूसरा मुद्दा 10 लीटर और 45 लीटर की क्षमता से ऑक्सीजन सिलेंडर भेजने का है। डेलोइट के सीईओ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच बातचीत और भारत को तत्काल चिकित्सा आपूर्ति करने के अमेरिका के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दोनों देश स्वाभाविक सहयोगी हैं। उन्होंने बताया कि डेलोइट के भारत में करीब 2,000 कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं।

# ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री का बड़ा बयान, आईपीएल में भाग ले रहे खिलाड़ियों को खुद करना होगा स्वदेश लौटने का इंतजाम

**मेलबर्न। (एजेंसी)।**

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने मंगलवार को कहा कि आईपीएल में भाग ले रहे उनके देश के क्रिकेटरों को स्वदेश लौटने के लिए अपना इंतजाम खुद करना होगा। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले भारत में कोरोना वायरस महामारी की घातक दूसरी लहर के मद्देनजर भारत से आने वाली सभी उड़ानों पर 15 मई तक प्रतिबंध लगा दिया था। मौरिशन ने 'द गार्जियन' अखबार से कहा, '' वे वहां निजी यात्रा पर गये हैं। यह किसी ऑस्ट्रेलियाई दौरे का हिस्सा नहीं है। वे अपने स्वयं के संसाधनों से वहां पहुंचे है,वे उन संसाधनों का भी उपयोग कर रहे हैं। मुझे यकीन है, वे अपनी व्यवस्था के अनुसार ऑस्ट्रेलिया लौटेंगे।'' ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी एंड्रयू टाइ, केन रिचर्डसन और एडम जम्पा भारत मेंस्वास्थ्य संकट के बढ़ने के करण आईपीएल को छोड़ने का फैसला किया।

भारत में प्रतिदिन तीन लाख से अधिक नये मामले दर्ज हो रहे हैं और 2,000 से अधिक मौतें हो रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के 14 खिलाड़ी अभी लीग में हैं। उनके अलावा कोच रिकी पोंटिंग और साइमन कैटिच, कमेंटेटर मैथ्यू हेडन, ब्रेट ली, माइकल स्लेटर और लीजा स्टालेकर भी यहां हैं। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाज क्रिस लिन ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) से आईपीएल समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों के स्वदेश लौटने के लिये विशेष विमान की व्यवस्था करने का आग्रह किया है आईपीएल के लीग मैच 23 मई को समाप्त होंगे जबकि फाइनल 30 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि इस मामले में अभी और इंतजार करने का फैसला किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ ने संयुक्त बयान में कहा कि वे आईपीएल में शामिल अपने क्रिकेटरों, कोचों और कमेंटेटरों के संपर्क में हैं और हालात पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा ,'' हम भारत में मौजूद लोगों से फीडबैक लेते रहेंगे और आस्ट्रेलिया सरकार को सलाह देंगे। इस कठिन समय में हमारी संवेदनायें भारत के लोगों के साथ हैं।

# रोजे के बीच रोटी की किल्लत, पाकिस्तान के पास केवल 3 हफ्ते का बचा आटा

**इस्लामाबाद। (एजेंसी)।**

आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान में अब रोटी की भी किल्लत हो गई है। पड़ोसी मुल्क के पास केवल 3 सप्ताह का गेहूं बच गया है। रमजान के महीने में जब इस्लामिक मुल्क पाकिस्तान की अधिकांश जनता रोजे रख रही है, आटे की कीमत सातवें आसमान पर है। हाल ही में कार्यभार संभालने वाले वित्त मंत्री शौकत तारिन ने कहा है कि देश को 60 लाख मीट्रिक टन रणनीतिक गेहूं भंडार की तत्काल जरूरत है। पाकिस्तानी अखबर एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल प्राइस मॉनिटरिंग कमिटी की बैठक में तारिन को बताया गया कि देश में गेहूं का भंडार पिछले सप्ताह 647,687 मीट्रिक टन ही बचा, जोकि मौजूदा उपभोग स्तर के मुताबिक केवल ढाई सप्ताह चलेगा। अप्रैल अंत तक यह स्टॉक कम होकर 3,84,000 मीट्रिक टन रह जाएगा। पाकिस्तान में यह किल्लत ऐसे समय पर हुई है जब फसल की कटाई जोरों पर है। पंजाब का स्टॉक 400,000 मीट्रिक टन है तो सिंध में 57,000 मीट्रिक टन, खैबर पख्तूनख्वाह में 58,000 मीट्रिक टन और क्व्स्ष्ह् में 140,000 मीट्रिक टन से कम स्टॉक है। वित्त मंत्री ने जरूरी वस्तुओं के रणनीतिक भंडार के महत्व के बताते हुए प्रांतीय सरकारों और संबंधित विभागों को जल्दी गेहूं, चीनी की खरीद का निर्देश दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, रणनीतिक भंडार के लिए पाकिस्तान को विदेशों से गेहूं खरीदना पड़ेगा, क्योंकि इस साल 260 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन का अनुमान है, जोकि वार्षिक उपभोग जरूरत से 30 लाख टन कम है। 2018 में इमरान खान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान में गेहूं और आंटे की कीमत दोगुनी हो चुकी है। चीनी, तेल, चिकन, अंडे और सब्जियों की कीमत में भी आग लगी हुई है।

### दक्षिण कोरिया में दो पाकिस्तानी राजनयिकों ने की चॉकलेट और हैट की चोरी, कराई किरकिरी

**सियोल।** पाकिस्तान के दो राजनयिकों को दक्षिण कोरिया में चोरी करते हुए पकड़ा गया है। आरोप है कि पाकिस्तान के राजनयिक एक दुकान से चॉकलेट और हैट पर हाथ साफ कर रहे थे। कोरिया टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी दूतावास के दो कर्मचारी 11,000 वॉन (कोरियाई करेंसी) और 1,900 वॉन के सामान की चोरी करते हुए पकड़े गए हैं। ये घटनाएं अलग-अलग दिनों में यॉन्गसान में हुई हैं। पाकिस्तान के एक राजनयिक पर आरोप है कि उसने 10 जनवरी को 1,900 वॉन यानी 1.70 डॉलर की चॉकलेट की चोरी की थी, जबकि एक अन्य शख्स ने 1,100 वॉन यानी 10 डॉलर की हैट चुराई थी। यह घटना 23 फरवरी को हुई थी। दरअसल दुकान से हैट चोरी होने के बाद स्टोर के कर्मचारी ने केस फाइल कराया था, जिसके बाद अथॉरिटीज ने जांच शुरू की। पुलिस ने जांच के लिए स्टोर के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, जिसमें दोनों आरोपियों की पहचान पाकिस्तान के राजनयिकों के तौर पर हुई है।

### दूसरी लहर को काबू करने के लिये भारत को ऑक्सीजन की सप्लाई करेगा कैलिफोर्निया

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकियों की सबसे अधिक आबादी वाला अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया कोविड-19 मामलों की मौजूदा लहर को काबू करने के लिये भारत को जीवन रक्षक ऑक्सीजन की आपूर्ति करेगा। भारत में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर चल रही है। बीते कुछ दिन से रोजाना कोरोना वायरस संक्रमण के तीन लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं और विभिन्न अस्पतालों में चिकित्सीय ऑक्सीजन तथा बिस्तरों की किल्लत हो गई है। कैलिफॉर्निया के गवर्गर गैविन न्यूसम ने सोमवार को भारत भेजी जाने वाली पहली खेप की जानकारी साझा करते हुए कहा, इस खौफनाक बीमारी से लड़ने के लिये सभी को समान गुणवत्ता का उपचार मिलना चाहिये और कैलिफोर्निया भारत के लोगों की आवाज को सुनेगा और उनकी मदद करेगा, जिन्हें इसकी सख्त जरूरत है। कैलिफोर्निया की ओर से भेजी जाने वाली मदद में 275 ऑक्सीजन संक्रेन्द्रक , 440 ऑक्सीजन सिलेंडर, 240 ऑक्सीजन रेगुलेटर, 210 पल्स ऑक्सीमीटर और एक डेप्लॉयबल ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर सिस्टम (सीओसीएस) शामिल है, जो प्रति मिनट 120 लीटर ऑक्सीजन पैदा करने की क्षमता रखता है। इसका इस्तेमाल आम तौर पर बड़े सिलेंडरों को भरने के लिये किया जाता है। अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के सहयोग से इन जीवन रक्षक सामग्रियों का वितरण किया जा रहा है। यह सीधे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों को प्रदान की जाएगी।

# कोरोना संकट के बीच मदद का भरोसा देकर चीन कर रहा खेल? मेडिकल सप्लाई लेकर भारत आने वाले कार्गो विमानों पर लगाई रोक

**बीजिंग। (एजेंसी)।**

कोरोना के कारण जहां एक तरफ भारत में संकट की स्थिति पैदा होने पर चीन ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया था तो वहीं दूसरी तरफ उसने यह हाथ खींच भी लिया है। दरअसल, चीन की सरकारी सिचुआन एअरलाइंस ने भारत के लिए अपनी सभी कार्गो (मालवाहक) उड़ानों को अगले 15 दिन तक के लिए स्थगित कर दिया है। इससे निजी कारोबारियों को बीजिंग से अति-आवश्यक ऑक्सीजन कॉन्सनट्रेटर और अन्य मेडिकल सप्लाई मिलने में बड़ी बाधा पैदा हो गई है। कंपनी ने यह कदम चीन सरकार की ओर से कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर भारत को सहायता की पेशकश किए जाने के बावजूद उठाया है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने सिचुआन एअरलाइंस द्वारा भारत जाने वाली कार्गो उड़ानों को स्थगित करने संबंधी सवालों के जवाब में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'भारत में महामारी की स्थिति पर चीन करीब से नजर रख रहा है। गंभीर होती स्थिति को लेकर हमारी सहानुभूति भारत के साथ है। हम कह चुके हैं कि हम वायरस के खिलाफ लड़ाई में प्रथम उपलब्ध अवसर में भारत की मदद करने को तैयार हैं। दोनों पक्ष इस संबंध में चर्चा कर रहे हैं।'

**भारत भेजे जाने वाले सामान के दाम बढ़ाए**

कार्गो उड़ानों के स्थगन से एजेंट और सामान भेजने वाले हतप्रभ हैं जो चीन से ऑक्सीजन सांद्रक खरीदने का प्रयास कर रहे हैं।यह भी शिकायत आ रही है कि चीनी उत्पादकों ने ऑक्सीजन संबधी उपकरणों की कीमत में 35 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी है। माल ढुलाई के शुल्क में भी करीब 20 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। चीनी विनिर्माताओं की तरफ से भारत भेजी जाने वाली चिकित्सा आपूर्ति के दाम बढ़ाए जाने से जुड़े सवाल पर वांग ने कहा, 'चीन से भारत चिकित्सा आपूर्ति खरीदने को तैयार है, मैं इसे समझता हूं, यह एक व्यावसायिक गतिविधि है।' वांग ने भारत के लिए कार्गो उड़ान स्थगित करने के सिचुआन एअरलाइंस के निर्णय पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

सिचुआन एअरलाइंस का हिस्सा सिचुआन चुआनहांग लॉजिस्टिक कॉरपोरेशन लिमिटेड के विपणन एजेंट द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि विमानन कंपनी शियान-दिल्ली सहित छह मार्गों पर अपनी कार्गो सेवा स्थगित कर रही है। समाचार एजेंसी %पीटीआई- भाषा ने इस संबंध में कंपनी की ओर से जारी पत्र को देखा है। इसके मुताबिक कंपनी ने कहा, 'महामारी की स्थिति (भारत) में अचानक हुए बदलाव के मद्देनजर और बाहर से आने वाले संक्रमण के मामलों में कमी लाने के उद्देश्य से यह फैसला किया गया है। इसलिए अगले 15 दिनों के लिए उड़ानों को स्थगित करने का फैसला किया गया है। चिट्ठी में कहा गया है, 'भारतीय मार्ग हमेशा से ही सिचुआन एअरलाइंस का मुख्य रणनीतिक मार्ग रहा है। इस स्थगन से हमारी कंपनी को भारी नुकसान होगा। हम इस अपरिवर्तित परिस्थिति के लिए माफी मांगते हैं।' चिट्ठी के मुताबिक कंपनी अगले 15 दिनों में फैसले की समीक्षा करेगी।

**ऑक्सीजन खरीदने में होगी दिक्कत**

शंघाई में माल भेजने की कंपनी साइनो ग्लोबल लॉजिस्टिक के सिद्धार्थ सिन्हा ने बताया कि सिचुआन एअरलाइंस के फैसले से दोनों देशों के कारोबारियों द्वारा तेजी से ऑक्सीजन कॉन्सनट्रेटर खरीदने और भारत को भेजने में बाधा पैदा होगी। उन्होंने कहा कि अब इन उपकरणों को भेजना और चुनौतीपूर्ण होगा, उन्हें सिंगापुर और अन्य देशों के रास्ते विभिन्न विमानन कंपनियों द्वारा भेजना होगा जिससे अति-आवश्यक इन उपकरणों की आपूर्ति में देरी होगी। सिन्हा ने कहा कि भारत में कोविड-19 की स्थिति का हवाला देकर उड़ानों का स्थगन आश्चर्यजनक है क्योंकि भारत जाने वाले चालक दल के किसी सदस्य को बदला नहीं जाता और उसी चालक दल के सदस्य ही विमान को वापस लाते हैं।

भारत में चीन के राजदूत सुन वीदोंग ने एक ट्वीट में कहा कि उनका देश कोविड-19 महामारी से निपटने में भारत का समर्थन करता है। उन्होंने ट्वीट में कहा, 'हम भारत को चिकित्सकीय सामानों की आपूर्ति में सहयोग के लिए चीनी कंपनियों को प्रेरित करेंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### हजीरा की आर्सेल स्टील कम्पनी के प्रांगण में शुरूकी गई

# हजीरा में ऑक्सीजन की सुविधा के साथ 250 बेड की कोविड हॉस्पिटल।

**क्रांति समय दैनिक**

सूरत,शहर कोरोना संक्रमण के वर्तमान हालात में ऑक्सीजन की अनिवार्यता को ध्यान में रखते हुए दुनिया की दिग्गज स्टील उत्पादक कंपनी आर्सेलर मित्तल परिवार ने केंद्र एवं राज्य सरकार की अपील पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात के हजीरा स्थित अपने प्लांट के परिसर में ही 250 बेड का अस्थायी कोविड हॉस्पिटल शुरूकर मानव सेवा की उत्तम मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंगलवार को कोविड हॉस्पिटल का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शुभारंभ करते हुए कहा कि आर्सेलर मित्तल ने ऑक्सीजन की तीव्र आवश्यकता के इस मौके पर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। उन्होंने श्री लक्ष्मी मित्तल और आर्सेलर मित्तल परिवार की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने गत एक महीने के दौरान कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड की संख्या को 41 हजार से बढ़ाकर 92 हजार कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज ऑक्सीजन की सुविधा युक्तहॉस्पिटल की बहुत आवश्यकता है, ऐसे में आर्सेलर मित्तल स्टील प्लांट की यह पहल निश्चित ही स्वागत योग्य है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में देश के ऑक्सीजन उत्पादकों से ऑक्सीजन गैस का अधिकतम उत्पादन करने और कोरोना के मरीजों की आवश्यकता की पूर्ति में सहयोग देने की अपील की थी। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी गुजरात के उत्पादकों से कोरोना की इस विकट स्थिति में ऑक्सीजन की मांग की पूर्ति में मददगार होने की अपील की थी। आर्सेलर मित्तल ने राज्य और केंद्र सरकार के इस आह्वान पर उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी है। गुजरात में सूरत के निकट हजीरा में कार्यरत आर्सेलर मित्तल स्टील

प्लांट अपने स्टील उत्पादन के लिए ऑक्सीजन गैस का उत्पादन करता है। हॉस्पिटल में उपचाराधीन कोरोना मरीजों की जरूरत के लिए ऑक्सीजन गैस का परिवहन संभव नहीं है। परिवहन के लिए लिक्विड यानी कि तरल ऑक्सीजन गैस की आवश्यकता होती है। उल्लेखनीय है कि आर्सेलर मित्तल स्टील प्लांट की ओर से अभी अपने तरल ऑक्सीजन के उत्पादन को 30 फीसदी बढ़ाकर 185 मीट्रिक टन तरल ऑक्सीजन गुजरात के कोरोना पीड़ितों के लिए मुहैया कराई जा रही है। आर्सेलर मित्तल स्टील प्लांट के लिए उत्पादित ऑक्सीजन गैस के स्वरूप में होने के कारण उसका परिवहन संभव नहीं है। इसलिए इस ऑक्सीजन गैस को कोरोना मरीजों के उपचार के लिए तुरंत ही उपयोग में लेने के मकसद से स्टील प्लांट में ही कोविड हॉस्पिटल शुरूकिया गया है, जो शायद इस दौर में ऐसी पहली घटना होगी। राज्य सरकार के उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज कुमार दास के साथ लगातार परामर्श करते हुए सूरत जिला कलक्टर धवल पटेल तथा सूरत मनपा आयुक्त बंछानिधि पानी के सहयोग से हजीरा में आर्सेलर मित्तल स्टील प्लांट के प्रबंधन की ओर से केवल 72 घंटों के रिकॉर्ड समय में अस्थायी कोविड हॉस्पिटल शुरू किया गया है। कंपनी की योजना के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर यहां 1000 बेड का कोविड हॉस्पिटल तेजी से कार्यरत

# सूरत में ऑक्सिजन की किल्लत यथावत

**क्रांति समय दैनिक**

सूरत,शहर में कोरोना का कहर छाया हुआ है। जिला कलेक्टर का कहना है कि शहर में ऑक्सिजन की किल्लत यथावत है। रोज कमाओ और रोज खाओ जैसी स्थिति है। ऑक्सिजन का जितना सप्लाय मिल रहा है उसी प्रकार से वितरण करने का प्रयास किया जा रहा है।

सूरत शहर में कोरोना के केस लगातार बढ रहे है। ऐसे में ऑक्सिजन की भी भारी किल्लत हो रही है। नोवेल विकल्प के तौर पर ओर्सेलर मित्ताल कंपनी के प्लान्ट में ओक्सिजन की सुविधा मिलने पर वहां अस्थायी रूप से अस्पताल शुरु किया जा रहा है। सूरत शहर लिकविड ऑक्सिजन उत्पादन कर रही कंपनी के उपर आधारित है। जिसमें रिलायन्स एयर, आइनोक्स और लीन्डे शामिल है। सामान्य तौर पर ऑक्सिजन का वितरण केन्द्र सरकार राज्य सरकार को देती है। राज्य अपने शहरों को वितरण करता है। सूरत की सिविल व स्मीमेर अस्पताल को आइनोक्स कंपनी द्वारा लिकविड ऑक्सिजन वितरित किया जाता है। महावीर, किरण अस्पताल, विनस अस्पताल और मिशन अस्पताल को कंपनी द्वारा लिकविड ऑक्सिजन उपलब्ध कराया जा रहा है। शहर की अन्य अस्पतालें रिफलक्स के पास से ऑक्सिजन प्राप्त कर रही है। कलेक्टर का कहना है कि जिसमें हमारे पास 7 रिफिलिंग प्लान्ट व 2 प्रोडक्शन युनिट उपलब्ध है। हमारे पास लिविक ऑक्सिजन प्राप्त करने के लिए अन्य लिपल्प

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

नहीं है। सूरत के हजीरा स्थित आर्सेलर मित्तल कंपनी के प्लान्ट में गैस बेज ऑक्सिजन है। कंपनी द्वारा सीआरएस के तहक सिक्युरिटी कोलोनी को अस्पताल में तब्दिल किया गया है। सबसे राहत देनेवाली बाबत यह है कि गैस बेज्ड 5100 मिट्रीक टन ऑक्सिजन उलबब्ध हो सकता है। एक कि.मी. तक ऑक्सिजन लाइन बिछाई जाए ऐसी व्यवस्था है। कलेक्टर का कहना है कि हम एक हजार से अधिक बेड तत्काल असर से शुरु कर मरिजों को राहत दे सकते है। कलेक्टर का कहना है कि कोरोना संक्रमित मरिजों की संख्या में जब तक कम नहीं होगी तब तक पर्याप्त मात्रा में ऑक्सिजन मिलना ऐसे समय में बहुत ही मुश्किल है। हमें जो ऑक्सिजन मिल रहा है उसके विकल्प बहुत ही कम है। हमें जितना ऑक्सिजन मिल रहा है, उसे स्थिति के मुताबिक वितरण कर रहे है। इसके अलावा अन्य कोई रास्ता नहीं है। शहर में दो दिनों से इमरजैंसी जैसे हालात पैदा हुए है।

इसके बावजूद हमे ऑक्सिजनना जितना सप्लाय मिल रहा है, उसे बहुत ही एहतियात रूप से वितरण किया जा रहा है।

अभी भी हमारे पास पर्याप्त मात्रा में ऑक्सिजन नहीं है।

कोरोना संक्रमित इन्डोर पेशन्ट जो कि ऑक्सिजन पर है उनकी तादाद बड़ी संख्या में है।

## सार—समाचार

### सूरत एयरपोर्ट पर हंगामा, फ्लाइट में बैठने गए तो कहा-रिपोर्ट जरूरी

सूरत, एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की भुवनेश्वर फ्लाइट के 100 से ज्यादा यात्रियों ने उस समय हंगामा कर दिया जब उनसे आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट मांगी गई। एयर इंडिया ने कहा कि ओडिशा सरकार ने कहा है कि बिना आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट के हम एक भी यात्री अपने यहां नहीं लेंगे। इसकी वजह से 75 यात्रियों को लौटा दिया गया। इनके पास आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट नहीं थी। सिर्फ 52 यात्रियों को फ्लाइट में बैठने दिया गया। इनके पास आरटीपीसी की निगेटिव रिपोर्ट थी। फ्लाइट में कुल 127 यात्रियों की बुकिंग थी। फ्लाइट डिपार्चर के लगभग दो घंटे पहले चेकइन करने से पहले यात्रियों को बताया गया कि आरटीपीसीआर की रिपोर्ट अनिवार्य है। यह सुनकर यात्री हैरान हो गए। उनका कहना था कि हमें इसकी सूचना फोन या मैसेज के जरिये नहीं दी गई थी। यात्री हंगामा करने लगे। एयरपोर्ट की पुलिस जब स्थिति नहीं संभाल पाई तो डूमस पुलिस स्टेशन से 15 पुलिस जवानों को बुला लिया। इस संबंध में एयर इंडिया के सूरत एयरपोर्ट मैनेजर आर वेंकटरमण को पांच बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने न फोन उठाया न बाद में ही कोई जवाब दिया।

### कोरोना की विषम परिस्थितियों में कांग्रेस नागरिकों की मदद के बजाए हलकी राजनीति करना बंद करे : गृह राज्यमंत्री

अहमदाबाद, गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने कोरोना की विषम परिस्थितियों के बीच नागरिकों को त्वरित उपचार सुविधा उपलब्ध कराने मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के नेतृत्व के तहत टीम गुजरात लगातार कार्यरत है। ऐसे में अमूल्य मानवजीवन बचाने के लिए नागरिकों की मदद करने के बजाए कांग्रेस हलकी राजनीति कर रही है, जो अत्यंत दुःखद और निंदनीय है। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावडा के आरोपों को बेबुनियाद और अध्ययन विहिन करार देतु हुए जाडेजा ने कहा कि टीम गुजरात समेत भाजपा कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहकर उनकी सेवा कर रहे हैं। कांग्रेस का एक भी कार्यकर्ता है जो गुजरात की जनता के बीच जाकर सेवा कर रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ौसी राज्य राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है और उसके कामकाज का भी अमित चावड़ा का आंकलन करना चाहिए। यदि उन्होंने अध्ययन किया होता तो ऐसे आधारहीन आरोप लगाने का विचार ही

### इंजेक्शन, अस्पतालों में बेड और मरघट में कतारों के बाद अब मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भी कतार

सूरत,शहर में कोरोना संक्रमण बढ़ने के बाद मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने, इंजेक्शन और मरघट में कतारों के बाद अब मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए लोगों की लंबी कतारें लगने लगी है। जो कोरोना महामहारी की भयावह स्थिति बयां कर रही हैं। सूरत महानगर पालिका के अलग अलग जोन में मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया जारी है। आज तक मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए लंबी कतारें कभी दिखाई नहीं दीं। सूरत के अठवा जोन में मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए लोग सुबह से कतारों में खड़े दिखाई दिए। जो कोरोना संक्रमण से हुई मौत की गवाही देता है। केवल अठवा जोन ही नहीं बल्कि रांदेर जोन और कतारगाम जोन में ऐसी स्थिति दिखाई दी। मृत्यु प्रमाण पत्र के बगैर कई कानूनी प्रक्रिया में बाधा आती है, जिससे मृतक के परिजन मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए सुबह से कतारों में लग रहे हैं। एक व्यक्ति करीब दो घंटे कतार में खड़ा रहा और जब उसकी बारी आई तो पता चला कि उसके मृतक परिजन के बारे में कोई एन्ट्री नहीं हुई। इस व्यक्ति के परिजन की 11 अप्रैल को मौत हो गई थी। 16 दिन बीतने के बावजूद मृतक के नाम की एन्ट्री नहीं होने से सिविल अस्पताल के धक्के खा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### कोरोना वायरस संक्रमण के 69.1 प्रतिशत मामले दस राज्यों से सामने आए: स्वास्थ्य मंत्रालय

नयी दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश में एक दिन में कोविड-19 के जितने मामले सामने आए हैं, उनमें से 69.1 प्रतिशत महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली समेत 10 राज्यों से हैं। मंत्रालय ने कहा कि देश में एक दिन में 3,23,144लोगों के संक्रमित पाए जाने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,76,36,307 हो गई है। कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान उन दस राज्यों में शामिल हैं, जहां कुल कोविड मामलों में से 69.1 प्रतिशत मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा, अब तक 28 करोड़ से अधिक जांच की जा चुकी हैं। संक्रमण की दर 6.28 प्रतिशत है।
महाराष्ट्र में एक दिन में सबसे अधिक 48,700 मामले सामने आए। उत्तर प्रदेश में 33,551 और कर्नाटक में 29,744 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत में उपचाराधीन रोगियों की संख्या बढ़कर 28,82,204 हो गई है, जो कुल संक्रमितों का 16.34 प्रतिशत है। बीते 24 घंटे में उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 68,546 की वृद्धि हुई है। देश में उपचाराधीन रोगियों की संख्या का 69.1 प्रतिशत हिस्सा महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु, गुजरात और केरल में है। देश में जितने लोग अब तक संक्रमित पाए गए हैं, उनमें से 16.43 प्रतिशत का इलाज चल रहा है। 82.54 प्रतिशत ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि दैनिक संक्रमण दर फिलहाल 20.02 प्रतिशत है। मंत्रालय ने, कुल राष्ट्रीय मृत्युदर (सीएफआर) में गिरावट आ रही है और फिलहाल यह 1.12 प्रतिशत है। देश में 24 घंटे मेंकुल 2,771 रोगियों की मौत हुई है।

### केजरीवाल सरकार ने बैंकॉक से मंगवाया 18 टैंकर ऑक्सीजन, केंद्र सरकार को भी दिया धन्यवाद

नई दिल्ली।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 स्थिति पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने बैंकॉक से आयातित ऑक्सीजन टैंकरों और राष्ट्रीय राजधानी में आईसीयू बेड बढ़ाने की बात की। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कहा, 'दिल्ली सरकार ने बैंकॉक से 18 टैंकर (ऑक्सीजन) आयात करने का फैसला किया, वे कल से शुरू करेंगे। हमने केंद्र से इसके लिए वायु सेना के विमानों के उपयोग की अनुमति देने का अनुरोध किया है। वार्ता जारी है, मुझे बहुत उम्मीद है कि वार्ता सफल होगी। यह परिवहन के मुद्दे को हल करेगाफ्। दिल्ली के सीएम ने सभी संभव मदद के लिए केंद्र को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि 'अगर हम साथ काम करते हैं, तो हम इस कोविड की लड़ाई से जीत हासिल कर लेंगे।' बता दें कि सोमवार को, दिल्ली में 20,201 ताजा कोविड मामले और 380 मौतें हुईं, जो महामारी के प्रकोप के बाद से राष्ट्रीय राजधानी के लिए सबसे ज्यादा मामले है।

### जनता ऑक्सीजन के लिए भटक रही, भाजपा सरकार झूठ बोल रही: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता ऑक्सीजन के लिए भटक रही है, यह बेहद दुखद है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को ट्वीट किया, ''जिस तरह उत्तर प्रदेश के लोग ऑक्सीजन के लिए दर-दर भटक रहे हैं, वो बेहद दुखद है और उससे भी दुखद है कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार सरेआम झूठ बोल रही है कि कहीं कोई कमी नहीं है।'' सपा प्रमुख ने ट्वीट में कहा, ''ये एक नैतिक अपराध है। अब तो भाजपा के समर्थक तक इस झूठ में अपनों को खोने के लिए बाध्य हैं।'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''सत्य का इतना अपमान पहले कभी नहीं हुआ।

### अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन कोरोना वायरस से संक्रमित, एम्स में भर्ती

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डॉन राजेंद्र निकलजे उर्फ छोटा राजन कोरोना वायरस से संक्रमित हो गया है और उसे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने सोमवार को यहां एक सत्र अदालत को दी।

राजन (61) 2015 में इंडोनेशिया के बाली से प्रत्यर्पण के बाद अपनी गिरफ्तारी के बाद से ही दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। मुंबई में उसके खिलाफ दर्ज सभी मामले सीबीआई को स्थानांतरित कर दिए गए हैं और उस पर मुकदमा चलाने के लिए विशेष अदालत गठित की गई है। तिहाड़ के सहायक जेलर ने सोमवार को फोन के माध्यम से यहां की सत्र अदालत को बताया कि वह एक मामले की सुनवाई के सिलसिले में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राजन को न्यायाधीश के समक्ष पेश नहीं कर सकते हैं, क्योंकि गैंगस्टर कोविड-19 से संक्रमित हो गया है और उसे एम्स में भर्ती कराया गया है।

# हाई कोर्ट की दिल्ली सरकार को फटकार! कहा- मुश्किल समय में गिद्धों की तरह बर्ताव न किया जाए

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।**

दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी को लेकर इस समय दिल्ली के हाई कोर्ट में सुनवाई हो रही है। कोर्ट ने दिल्ली में मौजूदा हालात को लेकर सरकार को फटकार लगायी है। दिल्ली हाई कोर्ट ने बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहा है कि सरकार को जल्द से जल्द मौजूदा स्थिति को ठीक करना होगा। सब को साथ मिलकर काम करना होगा। मरीज अस्पताल में आता है तो उसे 10 मिनट के अंदर ऑक्सीजन उपबल्ध हो, इस चीज को सरकार को सुनिश्चित करना होगा। ऑक्सीजन का दिल्ली सरकार अस्पतालों में व्यवहारिक आवंटन करेगी। कोर्ट ने दिल्ली के हालतों को देखते हुए सरकार से कहा कि दिल्ली सरकार का सिस्टम फेल हो चुका है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि इस मुश्किल के समय में गिद्धों की तरह बर्ताव करने का समय नहीं है। ऑक्सीजन और कोरोना की दवाईयों की जो कालाबजारी हो रही हैं उस पर दिल्ली सरकार तुरंत कार्यवाई करें। काला बाजारी पर तुरंत रोक लगायी जाए। दिल्ली सरकार ने कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि वह जल्द से जल्द दिल्ली के हालात को कंट्रोल में कर लेगी।

आपको बता दें कि इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने वाहन कबाड़ दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाली एक याचिका पर केंद्र और आम आदमी पार्टी सरकार को मंगलवार को नोटिस जारी किये था। याचिका में कहा गया है कि नए नियमों के तहत लाइसेंस लेने की जरूरत से छोटे और सीमांत कबाड़ कारोबारी इसके दायरे में नहीं आ पाएंगे। याचिका में कहा गया कि दिल्ली सरकार का दिशानिर्देश ÷छोटे और अर्ध-औपचारिक आटोमोबाइल कबाड़ कारोबारियों के बेहद खिलाफ है÷ जो पीढ़ियों से इस करोबार में लगे हुए हैं।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने केंद्र के पर्यावरण एवं परिवहन मंत्रालय के साथ ही दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर दिल्ली के रहने वाले इंद्रजीत सिंह की याचिका पर उनका पक्ष पूछा है। याचिकाकर्ता का दावा है कि दिल्ली मोटर वाहन कबाड़, 2018 दिशानिर्देश जारी करने से पहले छोटे कारोबारियों से राय नहीं ली गई।

याचिका में यह भी दावा किया गया है कि 2018 के दिशानिर्देश ÷असंवैधानिक, मनमाने और अनुचित÷ हैं तथा मोटर वाहन अधिनियम के विपरीत हैं क्योंकि इसके तहत सिर्फ केंद्र को ही वाहन और उसके पुर्जों के रीसाइक्लिंग करने की शक्ति दी गई है। याचिका में इनदिशानिर्देशों को शून्य घोषित करने का आदेश देने का अनुरोध किया गया है।

# उच्चतम न्यायालय ने वेदांता के तूतीकोरिन स्थित ऑक्सीजन संयंत्र के संचालन की अनुमति दी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

उच्चतम न्यायालय ने मंगवलार को वेदांता को तमिलनाडु के तूतीकोरिन में स्थित उसके ऑक्सीजन संयंत्र के संचालन की अनुमति दे दी और कहा कि ऑक्सीजन की राष्ट्रीय आवश्यकता के मद्देनजर यह आदेश पारित किया गया है। न्यायालय ने कहा कि वेदांता को 31 जुलाई 2021 तक ऑक्सीजन संयंत्र के संचालन की अनुमति दी गई है, जिसके बाद कोविड-19 महामारी से उपजे जमीनी हालात की समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि संयंत्र के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन के बाद 21 और 22 मई 2018 को पुलिस गोलीबारी में 13 लोगों की मौत के बाद इसे बंद कर दिया गया था। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर तथा न्यायमूर्ति एस रविन्द्र भट की पीठ ने कहा कि इस आदेश की आड़ में वेदांता को तांबा गलाने वाले संयंत्र में प्रवेश और उसके संचालन की अनुमति नहीं दी गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वेदांता द्वारा ऑक्सीजन उत्पादन को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिये क्योंकि इस समय राष्ट्र संकट का सामना कर रहा है। न्यायालय ने कहा कि वेदांता को ऑक्सीजन संयंत्र के संचालन की अनुमति देने का आदेश किसी भी तरह से कंपनी के हित में किसी प्रकार का सृजन नहीं माना जाएगा। न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को ऑक्सीजन संयंत्र में गतिविधियों पर नजर रखने के लिये जिला कलेक्टर और तूतीकोरिन के पुलिस अधीक्षक, जिला पर्यावरण इंजीनियर, तूतीकोरिन उप कलेक्टर और दो सरकारी अधिकारियों को शामिल कर एकसमिति गठित करने का निर्देश दिया। पीठ ने वेदांता को ऑक्सीजन संयंत्र के संचालन के लिये जरूरी तकनीकी और गैर-तकनीकी कर्मियों की सूची समिति को सौंपने का भी निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वेदांता को 31 जुलाई 2021 तक ऑक्सीजन संयंत्र के संचालन की अनुमति दी गई है, जिसके बाद कोविड-19 महामारी से उपजे जमीनी हालात की समीक्षा की जाएगी। संयंत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चिंताओं को लेकर अदालत ने कहा, फिलहाल हम राष्ट्रीय संकट से गुजर रहे हैं और एक अदालत के रूप में हमें राष्ट्र को सहयोग देना है। यह राष्ट्रीय आपदा है। न्यायालय ने पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को तमिलनाडु केपर्यावरण विशेषज्ञों की तीन सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्देश दिया है। पीठ ने कहा, वेदांता संकट से पीड़ित भी अपने दो सदस्यों का चुनाव कर समिति को सकते हैं। यदि पीड़ित 48 घंटे में चुनाव नहीं कर पाते हैं तो राज्य इन सदस्यों को चयनकर सकता है। सुनवाई की शुरुआत में तमिलनाडु की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सीएस वैद्यनाथन ने पीठ को बताया कि सरकार ने सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक की और उन्होंने राज्य में कोविड -19 के व्यापक प्रकोप के मद्देनजर वेदांता के बंद पड़े स्टरलाइट कॉपर प्लांट में मेडिकल ऑक्सीजन उत्पादन फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि ऑक्सीजन आपूर्ति के संदर्भ में राज्य सरकार को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और अन्य राज्यों को बची हुई ऑक्सीजन दी जा सकती है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उनकी इस दलील का विरोध किया और कहा कि ऑक्सीजन के आवंटन की शक्ति केंद्र के पास है। मेहता ने कहा, 'मैं राज्य और वेदांता के बीच विवाद को लेकर चिंतित नहीं हूं। एक सुविधा उपलब्ध है, जिसका इस्तेमाल किया जाना है।ऑक्सीजन का उत्पादन स्वास्थ्य उद्देश्यों के लिए होना चाहिए और इसे केंद्र के जरिये हर राज्य को आवंटित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर किसी राज्य में अधिक मामले आते हैं, तो हमें उस विशेष राज्य में थोड़ी अधिक ऑक्सीजन भेजनी पड़ सकती है।ऑक्सीजन के राज्यवार आवंटन का जिम्मा केंद्र को दिया जाए।

# गहलोत ने कोरोना को लेकर पीएम मोदी से की बात, दवाइयां व ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की अपील की

**जयपुर। (एजेंसी)।**

कोरोना वायरस संक्रमितों की बढ़ती संख्या के बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर रोगियों के हिसाब से राज्य को दवाइयां व ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की अपील की। इसके साथ ही गहलोत ने मोदी को सुझाव दिया कि केंद्र सरकार ऑक्सीजन परिवहन करने वाले टैंकरों का भी अधिग्रहण करे ताकि राज्यों को ऑक्सीजन के साथ टैंकर भी मिलें और उनकी की शिकायत खत्म हो जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि गहलोत ने प्रधानमंत्री मोदी से टेलीफोन पर बात की है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि राजस्थान में कोरोना संक्रमितों की संख्या ज्यादा है इसलिए हमें दवाइयां और ऑक्सीजन भी उसके हिसाब से मिलनी चाहिए। गहलोत ने मोदी से कहा कि रोगियों की बढ़ती संख्या और इन संसाधनों की कमी से राजस्थान में भी लोग परेशान होने लगे हैं। इसके साथ ही गहलोत ने प्रधानमंत्री मोदी को सुझाव दिया कि केंद्र सरकार ने जिस प्रकार पूरे देश के ऑक्सीजन प्लांट का अधिग्रहण किया है और राज्यों को गैस का कोटा आवंटित कर रही है उसी तरहदेश में गैस परिवहन करने वाले जितने टैंकर हैं उनका भी अधिग्रहण करें और राज्यों को गैस के कोटे के साथ टैंकर भी आवंटित करें ताकिउनकी शिकायत दूर हो। गहलोत ने कहा कि बिना टैंकर के गैस तो राज्यों तकनहीं पहुंचेगी। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी फोन पर बात कर उन्हें राज्य की परिस्थितियों की जानकारी दी।

# दिल्ली के श्मशानों में दाह संस्कार के लिए करना पड़ रहा है परिवार को 20-20 घंटे का इंतजार

**नयी दिल्ली।(एजेंसी)।**

दिल्ली में कोरोना महामारी से मची तबाही का मंजर श्मशान घाटों पर लगातार देखने को मिल रहा है। स्थिति यह है कि लोगों को अपने प्रियजनों के शवों का दाह संस्कार करने के लिए 20-20 घंटे तक का इंतजार करना पड़ रहा है। यहां के एक श्मशान स्थल पर मंगलवार को 50 चिताएं जलीं। वहां कई शव पड़े हुए थे और कई अन्य वहां खड़े वाहनों में रखे हुए थे। कोरोना संक्रमण के कारण जान गंवाने लोगों के परिजन अंत्येष्ठि के लिए अपनी बारी के लिए प्रतीक्षारत थे। ये दिल दहला देने वाला दुखद दृश्य नयी दिल्ली के श्मशान स्थलों के हैं। 'मैसी फ्यूनरल' की मालकिन विनीता मैसी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''मैं अपने जीवन में कभी ऐसे खराब हालात नहीं देखे। लोग अपने प्रियजनों का शव लेकर भटक रहे हैं।

दिल्ली के लगभग सभी श्मशान स्थल शवों से भर चुके हैं।'' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस महीने में 3,601 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 2,267 लोगों की मौत पिछले एक हफ्ते में हुई है। पूरे फरवरी में, मृत्यु का आंकड़ा 57 और मार्च 117 लोगों की मौत इस महामारी के कारण हुई। अपने प्रियजन या रिश्तेदारों के अचानक से गुजर जाने के गम में डूबे लोगों को यह दुख भी सता रहा है कि वे अपनों को आखिरी विदाई भी नहीं दे पा रहे हैं। लोग अपने निजी वाहनों या फिर एंबुलेंस से शवों को लेकर श्मशान पहुंच रहे हैं और फिर उन्हें एक के बाद दूसरे और फिर कई अन्य श्मशानों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्हें अपने पिता, माता, बेटे या बेटी का दाह संस्कार के लिए बहुत ही संघर्ष करना पड़ रहा है। दिल्ली के अशोक नगर इलाके में रहने वाले अमन अरोड़ा के पिता एम एल अरोड़ा की सोमवार दोपहर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

अमन कहते हैं, '' पिता की तबियत खराब होने के बाद हम उन्हें लेकर कई निजी अस्पतालों में गए, लेकिन स्वास्थकर्मियों ने उन्हें छुआ तक नहीं। वे कोरोना की जांच नेगेटिव होने का प्रमाणपत्र मांगते रहे। इस तरह से उनकी मौत हो गई।'' उनका कहना है कि पश्चिमी दिल्ली के सुभाष नगर श्मशान घाट के कर्मचारियो ने सोमवार दोपहर को उन्हें बताया कि उनके पिता का अंतिम संस्कार मंगलवार सुबह ही हो पाएगा। स्थिति को देखते हुए अमन ने अपने पिता के शव की संरक्षित रखने के लिए रेफ्रिरेटर का प्रबंध किया। श्मशान स्थलों पर काम करने वाले कई कर्मचारी भी लोगों के साथ सख्त अंदाज में पेश आ रहे हैं। एक युवा कर्मचारी यह कहते सुना गया, ''अपनी डेड बॉडी उठाओ और ऊधर लाइन में खड़े हो जाओ।'' सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व आईएएस अधिकारी हर्ष मंदर कहते हैं, ''यह समय लोगों के प्रति हमदर्दी और एकजुटता दिखाने का है। इस महामारी ने हमें सिखाया है कि हम सब साथ हैं।

# कांग्रेस नेता का बयान, भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर को ढूंढकर लाने वाले को 10000 का इनाम मिलेगा

**भोपाल।(एजेंसी)।**

कांग्रेस नेता रवि सक्सेना ने कोरोना महामारी के संकट के समय में अपनी भोपाल लोकसभा सीट से अनुपस्थित रहने वाली भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर को ढूँढकर लाने वाले को 10,000 रूपये का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं, प्रदेश भाजपा ने प्रज्ञा ठाकुर के खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता की इस घोषणा को शर्मनाक बताया है। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव एवं वरिष्ठ प्रवक्ता रवि सक्सेना ने मंगलवार को कहा कि कोरोना महामारी के गहन संकट के समय भोपाल सांसद प्रज्ञा ठाकुर नदारद है।

उन्होंने कहा, ''भोपाल सांसद प्रज्ञा ठाकुर के इस संक्रमण काल में लगातार गायब रहने तथा भोपाल की जनता के इस विपत्ति काल में नदारद रहने पर मैं उन्हें ढूंढकर लाने वाले को 10,000 रुपयों का इनाम देने की घोषणा करता हूं।'' सक्सेना ने कहा कि ये भोपालवासियों के लिए अत्यंत दुःख और दुर्भाग्य की बात है कि जब दवाइयों, इंजेक्शनों ,वेंटिलेटरों, बिस्तरों और समुचित इलाज के अभाव में हजारों कोरोना पीड़ित दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं और अपनी जान गंवा रहे हैं, ऐसे संकट के समय में सांसद प्रज्ञा ठाकुर कहां अंतर ध्यान में है।''

मध्य प्रदेश भाजपा सचिव एवं प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''यह सबको पता है कि गंभीर रूप से बीमार होने पर प्रज्ञा को हवाई मार्ग से मुंबई ले जाया गया था। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता का ऐसा बयान शर्मनाक है।'' उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल होने के नाते कांग्रेस नेताओं में संवेदनशीलता होनी चाहिए।

# 'द ऑस्ट्रेलियन' ने भारत में कोरोना की दूसरी लहर के लिए मौजूदा सरकार को कहा जिम्मेदार, भारतीय उच्चायोग ने किया पटलवार

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

वर्तमान में भारत में कोरोना वायरस की स्थिति पर पूरी दुनिया की नजर है। विदेशी मीडिया में भी भारत के कोरोना वायरस संकट को प्रमुखता से छापा जा रहा है। भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के बारे में द ऑस्ट्रेलियन अखबार ने 26 अप्रैल को एक लेख छपा था जिसमें उसने भारत सरकार के रवैए की तीखी आलोचना की थी। मोदी के नेतृत्व में भारत में वायरल कयामत (स्थ्र्स्त्रद्ध द्यद्गड्डस्त्रह्य द्धठ्ठस्त्रद्बड्डु द्बठ्ठल्न्श 1द्बह्लड्डुद्य ड्डश्चश्ष-ड्डुद्य4श्चह्यद्ग) शीर्षक वाली इस खबर के बाद भारत की ओर से द ऑस्ट्रेलियन अखबार को एक पत्र लिखा गया। मुख्य संपादक को भेजे गए इस पत्र में खबर को आधारहीन बताया गया। भारतीय उच्चायोग ने अखबार से कहा कि वह ऐसी खबर ना छापे जो भ्रम पैदा करे। हाई कमीशन ने कहा कि भारत सरकार कोरोना वायरस पर बहुत अच्छे कदम उठा रही है और इसका असर भी दिख रहा है। लेख के मुताबिक दंभ, खोखले राष्ट्रवाद और नौकरशाही की असफलता की वजह से भारत को यह स्थिति देखनी पड़ रही है। लेख में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली और कुंभ को भी निशाना बनाया गया है। हालांकि भारत की ओर से इसे बेवजह मुद्दा बताया जा रहा है। भारत ने इसे आधारहीन, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बताया है। भारत की ओर से द ऑस्ट्रेलियन अखबार को जो चिट्ठी लिखी गई है उसमें डिप्टी हाई कमिश्नर पीएस कार्थिज्ञान का सिग्नेचर है। पत्र में यह भी कहा गया है कि जिसने भी यह लेख छापी है उसने तथ्यों की जांच के लिए भारत सरकार के किसी अधिकारी से बात करने की जहमत भी नहीं उठाई। अखबार की खबर को भारत की महामारी के खिलाफ लड़ाई को कम करके आंकने की मकसद से छापा गया बताया गया है। लेख में साफ तौर पर कहा गया है कि भारत के प्रधानमंत्री कोरोना वायरस से निपटने में पूरी तरह से नाकाम रहे। इसमें उन तौर-तरीकों की भी आलोचना की गई है जो सरकार के द्वारा हाल के समय में वायरस को कंट्रोल करने के लिए अमल में लाए गए हैं। द ऑस्ट्रेलियन की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि कोरोना वायरस की भारत में जो भी स्थिति है उसके लिए वहां का मौजूदा नेतृत्व जिम्मेदार है। इस चिट्ठी में भारत की ओर से यह भी बताया गया है कि कैसे प्रधानमंत्री के द्वारा वैक्सीन मैत्री की शुरुआत की गई और 80 देशों को वैक्सीन दिया गया। संकट की घड़ी में कैसे भारत में कई देशों को दवाइयां भेजी है। भारत की ओर से साफ तौर पर कहा गया कि मौजूदा सरकार वर्तमान स्थिति से अच्छी तरह से निपट रही है।

# अजमेर दरगाह की विश्राम स्थली को बनाया जाएगा 'कोरोना केयर सेंटर' : नकवी

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि अजमेर शरीफ दरगाह से संबंधित एक बड़ी विश्राम स्थली को अस्थायी 'कोरोना केयर सेंटर' के तौर पर उपयोग में लाने का फैसला किया गया है। दरअसल, अजमेर दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अमीन पठान ने नकवी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि अजमेर के कायड़ में स्थित विश्राम स्थली को 'कोरोना केयर सेंटर' के इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। नकवी ने मंगलवार को इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। यह विश्राम स्थली 150 बीघे में बनी है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने अमीन पठान को पत्र लिखकर कहा, ''मुझे यह जानकार खुशी हुई कि मंत्रालय के अतर्गत कार्य कर रही दरगाह कमेटी ने इस संकट की घड़ी में सहयोग देना चाहती है। इस मानवीय कल्याण के काम में दरगाह कमेटी के प्रस्ताव को स्वीकृति देता हूं। आप लोग राजस्थान सरकार से तत्काल संपर्क कर वहां 'कोरोना केयर सेंटर' शुरू कराएं।'' उल्लेखनीय है कि नकवी ने सोमवार को 16 राज्यों के हज भवनों का इस्तेमाल अस्थायी 'कोरोना केयर सेंटर' के रूप में करने का फैसला किया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)